Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 192
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार,10 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 कल्याणपुर के नर्सिंगहोम में युवक की मौत, परिजनों | 4 रक्षा बन्धन पर खूबसूरत दिखने के लिए आसान | 7 बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहते, तृप्ति

सीएम योगी बोले-

किसी भी सदस्य को कोई मुद्दा उठाना है, तो कार्यवाही बाधित करने के बजाय संवाद करे

राज्यपाल के अभिभाषण से हुई शुरूआत

उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण भी प्रस्तुत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र से पहले कहा कि सरकार संवाद से समस्याओं का समाधान चाहती है। 9 से 20 फरवरी तक चलने वाले सत्र में 2026-27 का बजट और उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत होगा, जो प्रदेश की आर्थिक प्रगति को दर्शाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र प्रारंभ होने से पहले सोमवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत की। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल आज से बजट सत्र प्रारंभ कर रहा है। यह हमारी सरकार का 10वां बजट है। सीएम ने सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। किसी भी सदस्य को कोई मुद्दा उठाना है तो कार्यवाही बाधित करने के बजाय संवाद करे, क्योंकि सरकार संवाद से समस्या के समाधान में विश्वास करती है। राज्यपाल के अभिभाषण से हुई शुरूआत बजट सत्र में दो महत्वपूर्ण एजेंडे होते हैं। पहला- माननीय राज्यपाल का अभिभाषण और दूसरा- सामान्य बजट। राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों व भारी कार्ययोजना का दस्तावेज होता है, जिसे उनके द्वारा सदन के माध्यम से जनता जनार्दन को समर्पित किया जाता है। सभी सदस्य इस पर चर्चा करते हैं। 20 फरवरी तक चलेगा बजट सत्र सीएम योगी ने कहा कि 2026-27 का सामान्य बजट 11 फरवरी को प्रस्तुत होगा। इसके उपरांत इस पर चर्चा होगी। बजट सत्र 9 फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा। उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण भी प्रस्तुत सीएम योगी ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के तुरंत बाद सदन के पटल पर उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण भी प्रस्तुत हुआ। पहली बार कोई राज्य सरकार अपनी आर्थिक उपलब्धियों को लेकर यह कदम उठाएगी। हमने यूपी को बीमारूपन से उबारकर भारत की इकॉनमी के ब्रेकथ्रू के रूप में स्थापित किया है। इन सभी कारकों और यूपी के आर्थिक उन्नयन की इस यात्रा को जानने का अधिकार जनप्रतिनिधियों व जनता जनार्दन को भी होना चाहिए। हमने कितना आर्थिक उन्नयन किया है, यूपी में प्रति व्यक्ति आय में क्या वृद्धि हुई है, रोजगार सृजन की स्थिति क्या है, वित्तीय प्रबंधन में कैसे हमने विषम परिस्थितियों से उबार कर पिछले पांच वर्षों से लगातार यूपी को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित किया है। इन सभी बिंदुओं को लेकर आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट भी सदन में प्रस्तुत होगी। सदस्यों के लिए डेटा प्रस्तुत करने और चर्चा के लिए यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण दस्तावेज होगी। हर सदस्य के बहुमूल्य सुझावों को स्वीकार करेगी सरकार सीएम योगी ने कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। यह कार्यवाही को बाधित करके नहीं, बल्कि संवाद से चलता है। किसी भी सदस्य को कोई मुद्दा उठाना है तो संवाद करे, क्योंकि सरकार संवाद से समस्या के समाधान में विश्वास करती है। हर सदस्य के बहुमूल्य सुझावों को स्वीकार करने के साथ ही सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करते हुए राज्य के हित में आवश्यक कदम उठाने को सदैव तत्पर है।

लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सदन में जबरदस्त नोकझोंक

नई दिल्ली। लोकसभा में सदन चलाने के लिए सुलह की बातचीत के बाद भी विपक्ष तथा सत्तापक्ष के बीच सोमवार को जमकर नोकझोंक हुई जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई और पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने बजट पर चर्चा की शुरूआत कराने के लिए कांग्रेस के डॉ. शशि थरूर का नाम लिया। उन्होंने डॉ थरूर का नाम लेते हुए उन्हें बजट पर बोलने के लिए कहा लेकिन डॉ थरूर ने कहा कि विपक्ष के नेता सदन में बोलना चाहते हैं। यह उनका अधिकार है लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। संध्या राय ने कहा कि सबको बोलने का अधिकार है लेकिन इस समय सिर्फ बजट पर ही बोलना है। इसी बीच सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि करीब एक घंटा पहले वह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले थे और उन्होंने कहा था कि वह उन्हें सदन में कुछ मुद्दों पर बोलने की अनुमति देंगे लेकिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सरकार अपनी बात से पीछे हट गई है। इस पर पीठासीन अधिकारी ने व्यवस्था दी कि सदन में सिर्फ बजट पर ही बोलना है। इसके अलावा आपको अन्य किसी विषय पर नहीं बोल सकते क्योंकि किसी अन्य विषय पर बोलने के लिए आपकी तरफ से कोई नोटिस नहीं है इसलिए आप सिर्फ बजट पर अपनी बात कह सकते हैं। उनका कहना था कि बजट के अलावा किसी और विषय पर सदन में बोलना है तो पहले नोटिस देना पड़ेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने हस्तक्षेप करते हुए कहा ष्जिस मुलाकात की बात विपक्ष के नेता कर रहे हैं ।

सार संक्षेप

व्हाट्सएप,मेटाको नहीं मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने टाली प्राइवेसी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सएप की उन याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को 23 फरवरी तक स्थगित कर दी जो गोपनीयता नीति को लेकर 213.14 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाने के भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के आदेश के खिलाफ दाखिल की गई हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ से कहा गया कि वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल अस्वस्थ हैं और इसलिए सुनवाई स्थगित कर दी जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि वह अंतरिम आदेश पारित करने के लिए दायर याचिकाओं पर 23 फरवरी को सुनवाई करेगी। उसने उस एक वादी को मामले में पक्षकार बनाए जाने की अनुमति दी जिसका प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार कर रहे हैं। न्यायालय ने तीन फरवरी को मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक और व्हाट्सएप से मंगलवार को अप्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा था कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां डेटा साझा करने के नाम पर नागरिकों की निजता के अधिकार से खिलवाड़ नहीं कर सकतीं।

तरनतारन लॉ कॉलेज में गोलीकांड, छात्रा की हत्या कर छात्र ने खुदकुशी

तरनतारन। सोमवार सुबह तरनतारन जिले के उसमा गांव स्थित माई भागो लॉ कॉलेज में एक दिल दहला देने वाली वारदात हुई। क्लास शुरू होते ही एक छात्र ने अपनी सहपाठी छात्रा को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई और छात्रों में दहशत का माहौल है। मृतका की पहचान संदीप कौर (20), निवासी नौशहरा पन्नुआ के रूप में हुई है। वहीं आरोपी छात्र प्रिंस राज, निवासी मलियां गांव बताया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी क्लासरूम में दाखिल हुआ और संदीप कौर के सिर पर बेहद करीब से गोली दाग दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। डीएसपी जगबीर सिंह ने बताया कि घटना क्लास शुरू होते ही हुई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरोपी छात्र पिस्तौल लेकर कॉलेज परिसर में कैसे दाखिल हुआ। क्या गेट पर कोई सुरक्षा जांच नहीं थी? पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हथियार लाइसेंसी था या अवैध। शुरूआती जांच में शक जताया जा रहा है कि यह मामला एकतरफा प्यार से जुड़ा हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति से की मुलाकात

हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ रही

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के बीच सोमवार को मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक स्तर तक सीमित नहीं है, हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ती आ रही है। इसके तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा, संस्कृतियां मिली और विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गई। बैठक के बाद पीएम मोदी ने संयुक्त बयान देने के दौरान कहा, मुझे राष्ट्रपति हर्मिनी और उनके डेलिगेशन का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सेशेल्स के राष्ट्रपति के तौर पर उनके चुने जाने पर, मैं भारत के 1.4 बिलियन लोगों की ओर से उन्हें बधाई देता हूं। राष्ट्रपति के तौर पर यह उनकी पहली भारत यात्रा है। उनकी यह यात्रा ऐसे शुभ वर्ष में हो रही है, जब सेशेल्स का 50वां स्वतंत्रता दिवस और हमारे राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें विश्वास है कि ये मील का पत्थर हमें निरंतर नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। भारत और सेशेल्स के संबंध केवल राजनयिक स्तर तक सीमित नहीं है, हिंद महासागर की लहरें सदियों से हमारे लोगों को जोड़ती आ रही है। इसके तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा, संस्कृतियां मिली और विश्वास की परंपराएं मजबूत होती गई। पीएम मोदी ने कहा, हम अपने आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के लिए नए अवसरों की तलाश जारी रखने पर हम सहमत हैं। लोकल करेंसी में व्यापार बढ़ाने के साथ-साथ हम फिनटेक और डिजिटल समाधान में भी आगे बढ़ेंगे। विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत नींव रही है। हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित हैं। आगे बढ़कर भी इस दिशा में आज हम 175 मिलियन डॉलर के खास इकोनॉमिक पैकेज की घोषणा करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पैकेज सोशल हाउसिंग, ईमोबिलिटी, व्यवसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और मैरीटाइम सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस परियोजनाओं को सपोर्ट देगा। इन पहलों से सेशेल्स के लोगों, खासकर युवाओं, के लिए रोजगार और कौशल के नए अवसर खुलेंगे। मुझे खुशी है कि सेशेल्स के सिविल सर्वेंट की भारत में ट्रेनिंग के लिए आज एमओयू किया जा रहा है। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के तहत हम भारत का सफल अनुभव सेशेल्स के साथ साझा करेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत एक विश्वसनीय साझेदार रहा है। हम सेशेल्स के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

अयोध्या को दहलाने की रची थी साजिश, कश्मीरी कैदी ने किया हमला

चंडीगढ़। फरीदाबाद की उच्च-सुरक्षा वाली नीमका जेल में बंद आतंकवाद के एक आरोपी अब्दुल रहमान की रविवार देर रात एक अन्य कैदी द्वारा हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का खुलासा सोमवार सुबह तब हुआ, जब जेल प्रशासन को उसकी लाश बैरक में मिली। हमले के आरोपी की पहचान अरुण चौधरी के रूप में हुई है, जिसे हाल ही में जम्मू-कश्मीर से नीमका जेल स्थानांतरित किया गया था। जेल सूत्रों के अनुसार, रहमान पर एक नुकीले और हाथ से बनाये गये हथियार से उस समय हमला किया गया, जब वह अल्ट्रा-हाई सिक्योरिटी सेल में बंद था। इसी विशेष सुरक्षा इकाई में अरुण चौधरी भी रखा गया था। घटना की जानकारी मिलते ही जेल अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। जेल के विशेष सुरक्षा प्रकोष्ठ ने इस मामले में सुरक्षा चूक की औपचारिक जांच शुरू कर दी है। उत्तरप्रदेश के मिल्कीपुर का 19 वर्षीय अब्दुल रहमान पिछले वर्ष दो मार्च को हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), गुजरात एटीएस और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार किया गया था। उस पर भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा से जुड़े होने और अबू सुफियान नामक ऑपरेटिव के निर्देश पर काम करने का आरोप था। गिरफ्तारी के समय सुरक्षा एजेंसियों ने उसके पास से दो जिंदा हैंडग्रेनेड और डेटोनेटर बरामद किए थे। एजेंसियों का दावा था कि वह अयोध्या को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। जांच में यह भी सामने आया था कि वह सोशल मीडिया के जरिए कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित हुआ था। आरोपी अरुण चौधरी उर्फ अबू जट्ट जम्मू के आरएस पुरा क्षेत्र का निवासी है।

तीन महीने में फैसला दे दिल्ली हाईकोर्ट, कुलदीप सेंगर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। मामले में कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वह इस मामले से जुड़ी अपीलों की सुनवाई तेजी से करे। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट ने निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर को इस मामले में 10 साल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा निलंबित करने की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सेंगर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। मामले में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजरिया शामिल थे, ने कहा कि यह मामला ऐसा है जिसमें हाईकोर्ट को अपील पर आउट ऑफ टर्न यानी प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि दिल्ली हाईकोर्ट इस अपील का निपटारा तीन महीने के भीतर करे।सुनवाई के दौरान पीड़ित पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्होंने भी ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अलग से अपील दाखिल की है। इसमें सजा की अवधि समेत कई बिंदुओं को चुनौती दी गई है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि हाईकोर्ट के आदेश में उस अपील का कोई जिक्र नहीं है, इसलिए वह उस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि आरोपी सेंगर पहले ही कुछ समय जेल में काट चुका है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने हाईकोर्ट से कहा कि वह मामले की जल्द सुनवाई करे और तय समयसीमा में फैसला सुनाए। वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ डेवघ ने अपीलकर्ता कुलदीप सिंह सेंगर की तरफ से और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ब्ठप् की तरफ से पेश होकर बहस की।

राष्ट्रीय राजधानी के नौ स्कूलों को धमकी भरे ईमेल, खाली कराया गया कैंपस, बम निरोधक दस्ते ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को कम से कम नौ विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए जिसके कारण बड़े पैमाने पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया और एहतियात के तौर पर विद्यालयों को खाली कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धमकी भरे ईमेल में परेशान करने वाली और भड़काऊ सामग्री थी, जिसमें लिखा था, दिल्ली खालिस्तान बन जाएगी। पंजाब खालिस्तान है। अफजल गुरु की याद में।ईमेल में धमकी दी गई कि 13 फरवरी को दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर संसद के अंदर एक विस्फोट होगा। इसके मद्देनजर सुरक्षा सतर्कता और एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ा दिया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित कई शैक्षणिक संस्थानों से सुबह के समय आपातकालीन कॉल प्राप्त हुए, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और बम निरोधक दस्ते तुरंत उन स्थानों पर भेजे गए। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, अभी तक कुल नौ स्कूल को बम की धमकी मिली। दमकल सेवा दल तुरंत परिसर में पहुंचे। तलाशी ली जा रही है। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि जिन विद्यालयों को धमकियां मिली हैं उनमें दिल्ली छावनी स्थित लोरेटो कॉन्वेंट स्कूल, श्रीनिवासपुरी और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित कैम्ब्रिज स्कूल, सादिक नगर स्थित द इंडियन स्कूल, आईएनए स्थित डीटीईए स्कूल, रोहिणी स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल, रोहिणी स्थित सीएम श्री स्कूल और रोहिणी स्थित बाल भारती स्कूल शामिल हैं। एहतियात के तौर पर इन सभी स्कूल को खाली करा लिया गया है और स्टाफ को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाले दलों के साथ मिलकर श्वान दल व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर टीम को काम पर लगाया गया है, जबकि राजधानी में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी स्कूल परिसर से अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है और तलाशी अभियान जारी है।

जयराम रमेश की तीखी टिप्पणी, रूसी तेल और यूएस डील को लेकर सरकार पर कसा तंज

नईदिल्ली। कांग्रेस ने रूस से तेल खरीदने और भारत,अमेरिका व्यापार समझौते पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के कथित विरोधाभाषी बयानों को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस मामले में सरकार के दृष्टिकोण में ही खामी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समग्र सरकार (होल ऑफ गवर्मेन्ट) का दृष्टिकोण कहते हैं, उस पर बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन रूसी तेल के मुद्दे और भारतद्दअमेरिका व्यापार समझौते पर हाल यह है कि वाणिज्य मंत्री कहते हैं कि विदेश मंत्री से पूछिए, विदेश मंत्री कहते हैं कि वाणिज्य मंत्री से पूछिए और पेट्रोलियम मंत्री दूसरे मुद्दों में उलझे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में खामियों से भरा दृष्टिकोण है। बीते शनिवार को भारत और अमेरिका द्वारा पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते के ढांचे पर जारी संयुक्त बयान में गया था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान के पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोयला खरीदने का इरादा जाहिर किया है। इसके बदले अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने पर लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का शासकीय आदेश भी जारी किया है। अमेरिका से आयात में अचानक वृद्धि को लेकर सुरक्षा उपायों पर गोयल ने कहा है कि व्यापार समझौते में किसानों और घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं।

शरद पवार की अचानक बिगड़ी सेहत, बारामती से सीधे पुणे के अस्पताल ले जाया गया

पुणे/बारामती। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष और देश के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार शरद पवार की तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें बारामती से पुणे के प्रसिद्ध रूबी हॉल क्लिनिक में लाया गया। 85 वर्षीय पवार पिछले कुछ समय से तेज बुखार और लगातार खांसी की समस्या से जूझ रहे थे। सेहत में गिरावट की खबर सामने आते ही उनके समर्थकों और राजनीतिक हलकों में चिंता की लहर दौड़ गई है। पवार के कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि चिकित्सकीय सलाह के बाद उन्हें पुणे शिफ्ट किया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। फिलहाल उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है और आवश्यक मेडिकल परीक्षण किए जा रहे हैं। रूबी हॉल क्लिनिक प्रशासन के अनुसार, शरद पवार को खांसी की गंभीर शिकायत के कारण अस्पताल लाया गया। अस्पताल के मुख्य कार्डियोलॉजिस्ट और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. परवेज ग्रांट ने जानकारी दी कि पवार की विस्तृत जांच की जाएगी और रिपोर्ट के आधार पर आगे का उपचार तय किया जाएगा। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है, लेकिन उनकी उम्र को देखते हुए डॉक्टर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कर निगरानी में रखा जाएगा, अन्यथा आवश्यक दवाओं और सलाह के साथ घर भेजने पर भी विचार किया जा सकता है। डॉ. ग्रांट ने कहा, ह्यअस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाएगा कि उन्हें किस तरह का इलाज दिया जाना है। स्थिति के अनुसार आगे की योजना बनाई जाएगी ह्व शरद पवार के भतीजे श्रीनिवास पवार ने मीडिया को बताया कि पवार को रात से लगातार खांसी हो रही थी और उन्हें सीने में जकड़न महसूस हो रही थी। इसी कारण परिवार ने तुरंत उन्हें अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल पहुंचने के बाद प्राथमिक जांच की गई और अब विस्तृत मेडिकल परीक्षण जारी हैं। पवार के साथ उनकी पत्नी प्रतिभा पवार, बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले तथा दामाद सादनंद सुले भी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में स्वास्थ्य संबंधी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। शरद पवार ओरल कैंसर के सर्वाइवर भी रह चुके हैं। 1990 के दशक में उन्हें इस बीमारी का निदान हुआ था।

नई हाई स्पीड रेल (HSR) कॉरिडोरों के त्वरित कार्यान्वयन की दिशा में रेलवे बोर्ड की महत्वपूर्ण पहल

गोरखपुर,: रेलवे बोर्ड ने देश में नई हाई स्पीड रेल परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बजट 2026 में घोषित सात नई हाई स्पीड रेल कॉरिडोरों को समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से बोर्ड स्तर पर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसके पश्चात कई निर्णय लिए गए।

सात प्रस्तावित हाई स्पीड रेल कॉरिडोरों में मुंबईझ्रपुणे, पुणेझ्र हैदराबाद, हैदराबादझ्रबेंगलुरु, हैदराबादझ्रचेन्नई, चेन्नईझ्रबेंगलुरु, दिल्लीझ्रवाराणसी तथा वाराणसीझ्र सिलीगुड़ी शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन

की जिम्मेदारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है।

रेलवे बोर्ड द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि पहले से तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को वर्तमान लागत, परियोजना पूर्णता लागत आदि के अनुरूप संशोधित किया जाए, ताकि प्रोजेक्ट का सही आकलन किया जा सके। इसके अतिरिक्त, पूरे भारत में हाई स्पीड रेल के लिए एक समान तकनीकी और परिचालन मानक को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने का दायित्व भी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को सौंपा गया है। अधिसूचना में प्रत्येक हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए क्षेत्र में तैनात कोर टीम गठित करने, परियोजना-वार मुख्यालय निर्धारित करने, पूर्व-निर्माण गतिविधियों की सूची तैयार करने तथा अनुबंध दस्तावेजों की प्रक्रिया प्रारंभ करने पर भी बल दिया गया है। साथ ही, विभिन्न हाई स्पीड रेल परियोजनाओं के लिए पर्याप्त और प्रशिक्षित तकनीकी मानव संसाधन की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि नई परियोजनाओं की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी कॉरिडोरों के लिए परियोजना-वार मानव संसाधन का आकलन किया जाए, जिसमें भारतीय रेल से आवश्यक कार्मिकों की आवश्यकता को भी सम्मिलित किया जाएगा। इस पूरी कार्ययोजना की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। रेलवे की यह पहल देश में आधुनिक, सुरक्षित और तीव्र रेल संपर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगी।

सिल्वर पदक के साथ पूर्वोत्तर रेलवे की खिलाड़ी दीक्षा एवं सुमेधा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ी निरन्तर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय रेल एवं देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इसी क्रम में पूर्वोत्तर

रेलवे के खिलाड़ी दीक्षा एवं सुमेधा ने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुये 03 से 08 फरवरी,2026 तक रायपुर में चल रहे फेडरेशन कप वालीबाल में रजत पदक जीता। पूर्वोत्तर रेलवे वालीबाल कोच विनोद सिंह ने भारतीय रेलवे पुरूष टीम कोच के रूप में प्रतिभाग किया और टीम को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। पूर्वोत्तर रेलवे के इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष श्री अभय कुमार गुप्ता एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनायें दीं और उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया।

साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05010 गाजीपुर सिटी-गोंडिया एकल यात्रा विशेष गाड़ी का संचलन 10 फरवरी,2025 को किया जायेगा। 05010 गाजीपुर सिटी-गोंडिया एकल यात्रा विशेष गाड़ी 10 फरवरी,2026 को गाजीपुर सिटी से 20.35 बजे प्रस्थान कर औड़िहार से 21.30 बजे, केराकत से 22.22 बजे, जौनपुर से 23.10 बजे, दूसरे दिन वाराणसी से 00.35 बजे, मिजार्पुर से 01.55 बजे, विंध्याचल से 02.16 बजे, प्रयागराज छिवकी से 04.30 बजे, शंकरगढ़ से 05.04 बजे, मानिकपुर से 06.15 बजे, सतना से 07.20 बजे, मैहर से 07.48 बजे, कटनी से 09.25 बजे, उमरिया से 10.58 बजे, शहडौल से 12.00 बजे, बुढ़ार से 12.20 बजे, अनूपपुर से 12.46 बजे, पेण्ड्रा रोड से 13.28 बजे, उस्लापुर से 15.35 बजे, भाटापारा से 16.25 बजे, रायपुर से 17.25 बजे, दुर्ग से 18.42 बजे, राजनादगांव से 19.05 बजे, डोंगरगढ़ से 19.45 बजे, सालेकसा से 20.19 बजे तथा आमगांव से 20.36 बजे छूटकर गोंडिया से 21.05 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

शयनयान श्रेणी के 05 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05009 आजमगढ़-यशवन्तपुर एकल यात्रा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन 11 फरवरी,2025 को किया जायेगा। 05009 आजमगढ़-यशवन्तपुर एकल यात्रा विशेष गाड़ी 11 फरवरी,2026 को आजमगढ़ से 05.05 बजे प्रस्थान कर मऊ से 06.10 बजे, बेलथरा रोड से 06.32 बजे, भटनी से 07.05 बजे, देवरिया सदर से 07.40 बजे, गोरखपुर से 08.50 बजे, बस्ती से 09.53 बजे, मनकापुर से 10.55 बजे, अयोध्या धाम से 11.45 बजे, अयोध्या कैण्ट से 12.10 बजे, लखनऊ से 15.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 18.00 बजे, उरई से 19.46 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 से 21.50 बजे, ललितपुर से 23.33 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.15 बजे, भोपाल से 03.15 बजे, इटारसी से 05.00 बजे, बेतुल से 06.44 बजे, नागपुर से 10.05 बजे, चन्द्रपुर से 13.05 बजे, बल्हारशाह से 14.00 बजे, सिरपुर कागजनगर से 14.47 बजे, काजीपेट से 17.12 बजे, कांचेगुडा से 20.25 बजे, मेहबूब नगर से 22.17 बजे, तीसरे दिन कुर्नूल से 00.22 बजे, अनन्तपुर से 04.12 बजे तथा धर्मावरम् से 05.40 बजे छूटकर यशवन्तपुर 10.30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 10 तथा शयनयान श्रेणी के 05 कोचों सहित कुल 17 कोच लगाये जायेंगे।

सेवानिवृत्त केस्को कर्मी ने पत्नी को मौत के घाट उतारा

कानपुर। यूपी के कानपुर में महिला की हत्या का सनसनीखेज

मामला सामने आया है। पति ने पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। बर्रा थाना क्षेत्र के कर्रही पुरानी बस्ती में सोमवार को घरेलू विवाद के दौरान सेवानिवृत्त केस्को कर्मी ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी घर से बाहर निकलकर मेन गेट के पास बैठ गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। फोरेंसिक टीम की जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। कर्रही पुरानी बस्ती निवासी 75 वर्षीय साहेब लाल केस्को में चतुर्थ श्रेणी कर्मी के पद से सेवानिवृत्त हैं। परिवार में 65 वर्षीय पत्नी ललिता, दो बेटे और चार विवाहित बेटियां हैं। बड़ा बेटा महेंद्र परिवार सहित पास ही दूसरे मकान में रहता है, जबकि अविवाहित बेटा सुरेंद्र माता-पिता के साथ रहता था। सुरेंद्र पुताई का काम करता है और सोमवार सुबह करीब नौ बजे काम पर गया था। आरोपी के भाई महेश के अनुसार, वह सुबह करीब दस बजे भाभी से मिलने घर पहुंचा। उस समय साहेब लाल मेन गेट के पास बैठा हुआ था। भाभी के बारे में पूछने पर उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब महेश ने गेट खोलकर अंदर प्रवेश किया तो ललिता का शव पड़ा मिला, पास ही वारदात में प्रयुक्त हथियार भी था। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू की। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद हत्या की बात सामने आई है। विवाद के कारणों की जांच की जा रही है। फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

पूर्वोत्तर विकास को नई गति; अश्विनी वैष्णव ने गुवाहाटी स्टेशन पर ब्लेंडेड हॉस्पिटैलिटी सेवाओं का शुभारंभ किया

गोरखपुर,: रेल संपर्क को मजबूत करते हुए और पूर्वोत्तर के विकास को नई गति देते हुए, रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर ब्लेंडेड हॉस्पिटैलिटी सेवाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने सैरांग और सिलचर के बीच नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मिजोरम के मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा; सिलचर से सांसद श्री परिमल सुकलाबैद्य; राज्यसभा सदस्य श्री कनाद पुरकायस्थ; और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। सैरांग - सिलचर पैसेंजर रेलगाड़ी मिजोरम की राजधानी को असम की बराक घाटी से सीधे जोड़ेगी। इससे क्षेत्रीय एकीकरण में सुधार होगा और विद्यार्थियों, दैनिक यात्रियों और मरीजों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक यात्रा मिलेगी। इसी समय, गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर आधुनिक हॉस्पिटैलिटी सुविधाएं यात्रियों के आराम को बढ़ाएंगी और बेहतर, स्वच्छ और ग्राहक-अनुकूल यात्रा का अनुभव देंगे। इन सेवाओं में स्लीपिंग पॉड्स, आधुनिक एयर-कंडीशन्ड लाउंज और मल्टी-कुजीन रेस्टोरेंट शामिल हैं। ये सुविधाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक माहौल मिले, जिससे स्टेशन की कुल उपयोगिता बेहतर होगी। इस अवसर पर संबोधन में श्री वैष्णव ने कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में इस क्षेत्र के लिए रेल फंडिंग में काफी बढ़ोतरी की है। इसमें उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए केंद्रीय बजट 2026-27 में ?11,486 करोड़ का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में लगभग ?72,468 करोड़ की परियोजनाएं पहले से ही चल रही हैं, जो संपर्क सुविधा और अवसंरचना को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास को दिखाती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह फोकस प्रधानमंत्री के इस विश्वास को दशार्ता है कि पूर्वोत्तर का विकास ₹विकसित भारत₹ के लिए जरूरी है और हर क्षेत्र को एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रेल संपर्क न केवल यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाता है, बल्कि आर्थिक गतिविधि को भी बढ़ावा देता है। इससे सामान की आवाजाही आसान होती है, व्यापार को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय उत्पादों के लिए बाजार खुलते हैं। श्री वैष्णव ने बताया कि बैराबी-सैरंग रेलवे लाइन मिजोरम की राजधानी को भारतीय रेलवे नेटवर्क से जोड़ती है। इस बढ़े हुए फोकस के तहत पूरी की गई यह ऐतिहासिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए इस रेल लिंक को अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं के साथ और बेहतर बनाया जाएगा, जिससे मिजोरम से असम और उससे आगे का संपर्क बेहतर होगा। उन्होंने बताया कि सैरंग और सिलचर के बीच नई यात्री रेलगाड़ी सेवा क्षेत्रीय एकीकरण में काफी सुधार करेगी।

भारतीय रेलवे ने क्षमता, सुरक्षा और ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए पूरे भारत में बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

गोरखपुर,: भारतीय रेलवे ने भीड़ कम करने, लाइन कैपेसिटी बढ़ाने, सेफ्टी सिस्टम को बेहतर बनाने और पूरे देश में तेज, ज्यादा भरोसेमंद पैसेंजर और माल ढुलाई को मुमकिन बनाने के मकसद से रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के एक बड़े सेट को मंजूरी दी है। ये मंजूरियां दक्षिणी, उत्तरी और दक्षिण पूर्वी रेलवे के लिए हैं, जिनमें लाइन डबलिंग, तीसरी और चौथी लाइनें, बाईपास कॉरिडोर और एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम शामिल हैं। बरबेंडा-दामरुघुटू डबलिंग और दामरुघुटू-बोकारो स्टील सिटी तीसरी और चौथी लाइनें: 815.32 करोड़ झारखंड में बरबेंडा-दामरुघुटू डबलिंग और दामरुघुटू-बोकारो स्टील सिटी तीसरी और चौथी लाइनें दक्षिण पूर्वी रेलवे के तहत बड़े कैपेसिटी विस्तार प्रोजेक्ट हैं और भारत के एनर्जी, मिनरल और सीमेंट कॉरिडोर की एक अहम कड़ी हैं। अभी, यह लाइन 108% यूटिलाइजेशन पर चल रही है, जिसमें ट्रेनों को 90-150 मिनट तक रुकना पड़ता है, यह रोजाना 78 ट्रेनों (38 पैसेंजर और 40 मालगाड़ी) को संभालती है और 35.22 टळढअ के माल ढुलाई को सपोर्ट करती है। अगर कोई कदम नहीं उठाया जाता, तो 2028-29 तक यूटिलाइजेशन 132% तक पहुंचने का अनुमान था। यह प्रोजेक्ट सेंट्रल कोलफील्ड्स, सीमेंट और स्टील प्लांट, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड डिपो, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड डिपो और बोकारो स्टील सिटी इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम सहित प्रमुख औद्योगिक और ऊर्जा केंद्रों से कनेक्टिविटी को मजबूत करता है। कैपेसिटी बढ़ाकर, यह विस्तार सीधे तौर पर एनर्जी लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक उत्पादन और राष्ट्रीय सप्लाई चेन की दक्षता में सुधार करेगा। हाई-डेंसिटी नेटवर्क (लऊठ) और हाईली यूटिलाइज्ड नेटवर्क (लवठ) रूट्स पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग: ?421.41 करोड़ सेफ्टी और ऑपरेशनल दक्षता को और बेहतर बनाने के लिए, भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे रूट्स पर 34 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (एक) लागू करने को मंजूरी दी है, जहां कवच सिस्टम लगाया जा रहा है। इसमें दिल्ली डिवीजन में 21 स्टेशन शामिल हैं, जिनकी लागत ?292.24 करोड़ है और अंबाला डिवीजन में 13 स्टेशन हैं, जिनकी लागत ?129.17 करोड़ है। ये अपग्रेड तेज और सुरक्षित ट्रेन संचालन को मुमकिन बनाएंगे, सिग्नलिंग सिस्टम की विश्वसनीयता में सुधार करेंगे, हाई-डेंसिटी रूट्स पर ज्यादा ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी को सपोर्ट करेंगे और आधुनिक ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों को पूरा करेंगे। राजपुरा बाईपास लाइन (13.46 किमी), नॉर्दर्न रेलवे: ?411.96 करोड़ राजपुरा बाईपास लाइन की मंजूरी से नॉर्दर्न रेलवे के सबसे व्यस्त कॉरिडोर में से एक, अंबाला-जालंधर सेक्शन पर क्षमता और ऑपरेशनल एफिशिएंसी में काफी सुधार होगा। यह प्रोजेक्ट न्यू शंभू डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ऊऋछ) स्टेशन और राजपुरा-बठिंडा लाइन पर कौली स्टेशन के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी देगा, जिससे मालगाड़ियां भीड़भाड़ वाले राजपुरा यार्ड को बाईपास कर सकेंगी। इससे माल ढुलाई आसान होगी, मौजूदा लाइनों पर दबाव कम होगा, और ट्रैफिक की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी, साथ ही ऊऋछ के साथ बेहतर इंटीग्रेशन और पूरे क्षेत्र में ज्यादा भरोसेमंद यात्री और माल ढुलाई ऑपरेशन सुनिश्चित होंगे। अलेप्पी-अंबालापुझा डबलिंग (12.66 किमी): ?324.16 करोड़ यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट एनार्कुलम-तुरावुर-कायमकुलम रूट पर एक महत्वपूर्ण सिंगल-लाइन की बाधा को दूर करता है। पूरा होने के बाद, यह हर दिशा में प्रतिदिन नौ अतिरिक्त यात्री ट्रेनों को चलाने में सक्षम होगा, प्रति वर्ष 2.88 मिलियन टन (टळढअ) माल ढुलाई क्षमता जोड़ेगा, और ?3.23 करोड़ की अतिरिक्त वार्षिक कमाई करेगा। यह प्रोजेक्ट यात्री और मालगाड़ियों दोनों के लिए देरी को कम करके ऑपरेशनल एफिशिएंसी में काफी सुधार करेगा। इस कॉरिडोर पर बची हुई आखिरी सिंगल-लाइन स्ट्रेच को ठीक करके, यह ट्रेनों की आवाजाही को आसान और बिना रुकावट के सुनिश्चित करता है, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों के लिए यात्रा की विश्वसनीयता बढ़ती है और केरल के भीतर अंतर-राज्य माल ढुलाई मजबूत होती है, साथ ही तेज, निर्बाध यात्रा के लिए प्रमुख जंक्शनों पर भीड़ कम होती है।

संक्षिप्त खबरें

सऊदी अरब में फंसे तीन मजदूर दिल्ली पहुंचे

नगर बाजार (बस्ती)। सऊदी अरब के अबहा शहर में अलीसार कंपनी में काम करने गए जिले के 13 मजदूरों की वतन वापसी शुरू हो गई है। इनमें तीन मजदूरों की रविवार को फ्लाइट है। इनके सोमवार देर शाम या मंगलवार की सुबह घर पहुंचने की संभावना है। अपनों की घर आने का संदेशा मिलते ही परिवार वालों में खुशी का माहौल हो गया है। बाकी मजदूरों का टिकट 10 फरवरी को कन्फर्म हुआ है घर लौटने वाले तीन मजदूरों में फूल सिंह चौहान पुत्र राम सुंदर चौहान, निवासी सकरावल कला, थाना छावनी, पंकज यादव पुत्र जग नारायण यादव, निवासी लोनिया पार, थाना छावनी व गोकुल पुत्र विदेशी चौहान, निवासी सूदीपुर, थाना वाल्टरगंज शामिल हैं। ये तीनों मजदूर रविवार को फ्लाइट से भारत पहुंचे। उनके परिजनों ने बताया कि लंबे इंतजार के बाद राहत मिली है। परिवार वाले भावुक होकर रो पड़े और सरकार, दूतावास व मीडिया का आभार जताया है।

महिलाओं को ड्रोन चलाने का दिया जाएगा प्रशिक्षण

बस्ती। केंद्र सरकार के लखपति दीदी कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए अब महिलाओं को ड्रोन चलाना सिखाया जाएगा। इसके अलावा उन्हें प्लंबिंग और एलईडी बल्ब बनाने जैसे आधुनिक कौशल का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, इसकी रूपरेखा तय की गई है। सरकार ने यह पहल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए की जा रही है। जिले में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी 52,867 महिलाओं को लखपति दीदी बनाना है। इसके सापेक्ष अब तक की जो स्थिति है 20,124 महिलाएं लखपति दीदी के रूप में चयनित हो चुकी हैं। अब 32 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनने की ओर फिर से अग्रसर हैं। बताया कि लखपति दीदी बनी महिलाओं की वार्षिक आय एक लाख रुपये या उससे अधिक है। यह कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार समर्थन पाकर आत्मनिर्भर बनी हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन इनकी संख्या बढ़ाने के लिए समूहों के आय के स्रोत बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। जिला मिशन प्रबंधक मारतेंडु बहादुर पाल ने बताया कि लक्ष्य के सापेक्ष महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए आजीविका मिशन लगातार प्रयत्नशील है। केंद्रीय बजट में लखपति दीदी कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए सरकार ने इस पर विशेष फोकस किया है। महिलाओं को आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन चलाने, प्लंबिंग और एलईडी बल्ब बनाने का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ऐसे में अब महिलाओं का हौसला और भी बढ़ा है। लखपति दीदी के लिए पूर्व में जो लक्ष्य जारी किया गया है, उसे पूरा करने के लिए कार्य हो रहा है। 32 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जाएगा। साथ ही उन्हें सशक्त बनाने के लिए ड्रोन समेत अन्य विधाओं में ट्रेनिंग दी जाएगी।

इलाज के दौरान घायल महिला की मौत

वॉल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बरहुआ चौराहे के पास शुक्रवार की शाम को मैजिक की टक्कर से बाइक सवार विकास तथा मां प्रेमा देवी निवासी केवटाखोर थाना सोनहा घायल हो गई थीं। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में शनिवार की रात मौत हो गई। बेटे राजू, विनय, विकास, बेटी अनीता सहित परिवार के सभी लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने पति लल्लू की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष धुनमुन विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी मैजिक चालक की तलाश की जा रही है।

पांच साल की मासूम से गंदी हरकत, आरोपी गिरफ्तार

पैकोलिया। पांच वर्षीय मासूम बच्ची से गंदी हरकत करने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने पश्चिम बंगाल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी गफ्फार अली पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडंगा थाना क्षेत्र के मझमपुर गांव रहना वाला है। वह वर्तमान में पैकोलिया थाना क्षेत्र के मुलायम गंज चौराहे के पास किराये के मकान में रहकर गांव-गांव घूम कर लच्छी-पापड़ी बेचता है। आरोप है कि सुबह करीब 11 बजे वह थाना क्षेत्र के एक गांव में आरोपी लच्छी-पापड़ी बेचने गया था। वहां पांच वर्षीय मासूम को अकेला देखकर उससे गंदी हरकत करने लगा। इसी बीच गांव के किसी व्यक्ति ने देखकर शोर मचाया तो गांव वाले जुट गए और आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले गई। इस बावत सीओ हरैया स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि पांच वर्षीय मासूम के साथ गंदी हरकत होने की सूचना मिली थी। आरोपी को पकड़ लिया गया है।

संयुक्त टीम ने सात सवारी वाहनों के काटे चालान

बस्ती। शहर व आसपास प्रमुख चौराहों पर संचालित अवैध टैक्सी स्टैंड परिवहन निगम को चूना लगा रहे हैं। निजी वाहन के तौर पर पंजीकृत वाहनों से सवारियां ढोने से परिवहन विभाग को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसको देखते हुए अब सख्ती शुरू कर दी गई और सात वाहनों के चालान काटे गए। इसके बाद टीम कंपनीबाग और अमहट पहुंची, यहां भी तीन वाहनों को पकड़कर चालान किया गया। बताया गया कि परिवहन निगम के सर्वे में रोडवेज, बड़ेवन, फुटहिया, फौव्वारा तिराहा, कंपनीबाग, अमहट पर अवैध स्टैंड संचालित हैं। यहां से सवारियां बैठाई जाती हैं। बताया गया कि इन अवैध स्टैंड की रिपोर्ट एआरटीओ को भेजी गई थी। इसके बाद भी अवैध स्टैंड का संचालन बंद नहीं हुआ तो रविवार को अवकाश के दिन अभियान शुरू किया गया। परिवहन विभाग और रोडवेज के एआरएम ने संयुक्त अभियान चलाया। इसमें सात ऑटो व मैजिक को पकड़े और चालान किया। एआरटीओ का कहना है कि अवैध स्टैंड किसी भी दशा में नहीं चलने पाएगा। परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आयुष भटनागर ने बताया कि एआरटीओ को पत्र देकर कार्रवाई के लिए सहयोग करने को कहा गया था, जिसके बाद अवैध स्टैंड के खिलाफ अभियान शुरू है।

बभनान के स्टेशन चौराहे पर लगा जाम

बभनान। कस्बे के स्टेशन चौराहे से लेकर हरैया तिराहे तक व चीनी मिल से लेकर विजयनगर चौराहे तक लगभग दो किमी लंबा जाम लग रहा। मुख्य सड़क पर रोज घंटेभर जाम में फंसकर राहगीर व स्कूल छात्र परेशान हो रहे हैं। दरअसल, गन्ने के सीजन में कस्बे में त्योहारी सीजन होने के चलते आवक बढ़ जाती है। इसके चलते बाजार के मुख्य चौराहों पर लंबा जाम लग जाता है। जानकारी के अनुसार, रविवार की दोपहर में स्टेशन चौराहे से लेकर हरैया तिराहा, गौर रोड तक व चीनी मिल से लेकर विजयनगर चौराहे पर करीब दो किमी लंबा जाम लग रहा। जाम में बाजार करने आए लोग काफी परेशान देखे गए। स्थानीय लोगों ने मांग किया है कि प्रमुख चौराहे पर पुलिस की पिकेट अगर लगाई जाए तो जाम समस्या से हद तक निजात मिल सकती है। बता दे कस्बे के मुख्य सड़क पर अभी कुछ दिन पहले नगर पंचायत व तहसील प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। बावजूद इसके काफी संख्या में एक साथ वाहनों का आना इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। दुकानों के सामने सड़क की पटरी पर ग्राहकों द्वारा दो पहिया चार पहिया वाहन व ठेले आदि लगाए जाते हैं।

बाजार खाला में चाइनीज मांझा के साथ 2 गिरफ्तार,लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में चाइनीज मांझा के खिलाफ अभियान चल रहा है। बाजार खाला क्षेत्र के हैदरगंज चौराहे पर यातायात पुलिस और स्थानीय लोगों की सतर्कता से बाइक सवार 2 युवकों को चाइनीज मांझा के साथ पकड़ा गया। उनके पास से चाइनीज मांझे की रील बरामद हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि 3 युवक बाइक से पतंगबाजी करने जा रहे थे। स्थानीय लोगों को शक हुआ तो हैदरगंज चौराहे के पास युवकों को रोक लिया। बाइक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान रील में लिपटा चाइनीज मांझा मिला। इसकी सूचना बाजार खाला पुलिस को दी। युवकों को पुलिस के हवाले कर दिया। बाजार खाला थाना प्रभारी के अनुसार, पकड़े गए युवकों में से 2 को चाइनीज मांझा और रील के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गोमतीनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। घूम-घूमकर पतंगबाजी करते हैं। तीसरा युवक फरार हो गया था, जिसकी भूमिका की जांच की जा रही है। एसएचओ ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य संभावित स्थानों पर भी छापेमारी की जा रही है।

'राम हमारे लोक जीवन के आदर्श व समरसता के प्रतीक'

खटीक समाज की 130 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

■ ग्वालियर

रामो विग्रहवान धर्म अर्थात राम ही धर्म हैं और हम गर्व से कह सकते हैं कि भगवान श्री राम भारत की हिंदू संस्कृति के उच्चतम प्रतिमान, भारतीय राष्ट्र के चरित्र, दुखहर्ता और मुक्तिदाता हैं। लाखों वर्ष बाद भी भारत में आज भी जो पहली मांग है वह राम राज्य की मांग है।

यह बात भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने बाल भवन में आयोजित खटीक समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग समरसता प्रमुख सुधीर शर्मा ने कहा कि राम का जीवन एक श्रेष्ठ समाज व सर्व संपन्न राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। खटवांग महाराज भगवान श्री राम के पूर्वज थे और सूर्यवंश के एक अत्यंत प्रतापी, धर्मपरायण और महान राजा थे। पौराणिक कथाओं और श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार, उनका राम जी से सीधा वंशानुगत संबंध है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसपी अजाक सत्येंद्र सिंह तोमर ने कहा कि समाज में समरसता स्थापित तभी होगी जब हम सभी जातियों का सम्मान करेंगे। निगम उपायुक्त शिशिर श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। स्वागत भाषण नरेंद्र खत्री ने दिया। कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सेंगर ने एवं आभार अरविंद रत्नाकर ने व्यक्त किया। प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित होने वालों में रमेश चक, महेश रत्नाकर, राम सिंह गजरोलिया एडवोकेट शैलेंद्र घनघोरिया, डॉ. अनिल मेवाफरोस, कमल खटीक, सुरेश टुडेलकर, राकेश शेजवार, उत्तम सिंह शिक्षक, नीरज शेजवार , आकाश घनघोरिया, सुरेश गाजरोलिया, पप्पू शेजवार, रमेश शेजवार, भंडारी शेजवार, दयाशंकर, पूजा खटीक संदीप खत्री ,सोनू पचौरी, बबलू घनघोरिया सहित 130 खटीक समाज की प्रतिभाओं का सम्मान हुआ।

सर्व सामर्थ्यवान है भगवान का नाम : तिवारी

चकलेश्वर धाम, जय मां काली कामाख्या धाम के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पहले रविवार को कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा गोल पहाड़िया से प्रारंभ होकर चकलेश्वर धाम पहुंची। कलश यात्रा में लगभग 500 महिलाओं ने श्रद्धा व उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर कथा वाचक आचार्य रवि तिवारी ने भगवान के नाम की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि भगवान का नाम ही सर्व सामर्थ्यवान है, जो जीव को त्रितापों से मुक्त कर जीवन को कल्याणमय बनाता है। यह आयोजन जय मां काली कामाख्या धाम के संतश्री अनिल शंकर नंदगिरि महाराज के सानिध्य में हो रहा है। आयोजन के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा एवं महाशिवार्चन का भव्य आयोजन प्रतिदिन किया जाएगा।

भारतीय संस्कारों से जोड़ते हैं मठ

मठ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों से लोग भारतीय संस्कारों से जुड़ते हैं। यह बात राजा मानसिंह संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने वाईकर मठ में समर्थ रामदास पुण्यतिथि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी नींव सुदृढ़ नहीं होगी तब तक हम प्रगति नहीं कर सकते हैं। इसके लिये योग महत्वपूर्ण है। वाईकर मठ में पीजीवी व सार्वजनिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शुभ्रा तिवारी के मार्ग मार्गदर्शन में सूर्य नमस्कार किया। प्रारंभ सारांश साठे ने रामदास स्वामी गीत से किया। मठ परिचय अजिंक्य पागे ने दिया। अतिथियों का स्वागत खुशाली व अश्विनी ने किया। अध्यक्षता रमेश कात्रे ने की। मुख्य वक्ता डॉ. स्वाति पेंडसे ने कहा कि सूर्य नमस्कार की 12 क्रियाएं करने से पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। कार्यक्रम में विशेष सहयोग दीपेंद्र प्रभाकर घाटे, उमेश बाभले, रविंद्र साय खेडकर, निशिकांत सुरंगे, दीपक देव का रहा। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया की 11 फरवरी को रामदास नवमीं को पालकी निकाली जाएगी। संचालन संदीप भाकरे ने एवं आभार पंकज नाफड़े ने व्यक्त किया।

संत गजानन महाराज का मनाया प्रकटोत्सव

संत गजानन महाराज मंदिर लक्ष्मीगंज एबी रोड पर महाराज का दो दिवसीय प्रकटोत्सव मनाया गया। प्रारंभ शनिवार को सुबह भक्तों द्वारा गजानन विजय ग्रन्थ के सामूहिक त्रिचक्रि पारायण से हुआ। शाम को वसंत कुंटे ने संत चरित्र कथा प्रस्तुत की। रविवार को सुबह गजानन मंदिर से महाराज की पालकी निकाली गई। पालकी प्रमुख मनीष लिमये थे। पालकी वाईकर मठ में भजनो की प्रस्तुति पश्चात वापिस मन्दिर आई। पालकी के साथ महिला व पुरुष सदस्य पारंपरिक परिधान में भजन गाते चल रहे थे। इसके बाद 11 ब्राह्मणों के मार्गदर्शन में, प्रदीप व सरिता लिमये ने रुद्राभिषेक किया। शाम को महिला व पुरुष भजन मंडल ने भजनों की प्रस्तुति दी। आरती व प्रसाद के साथ उत्सव का समापन हुआ। आभार डॉ. किरण कल्याणकर ने व्यक्त किया।

महिला बैंक कर्मी के क्रेडिट कार्ड से 1.26 लाख उड़ाए

रिवॉर्ड पॉइंट रिडीम कराने का झांसा देकर की ठगी

■ ग्वालियर

शहर में अब साइबर ठगी की लगातार हो रहीं घटनाओं के कारण लोगों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। शातिर ठगों ने महिला बैंक कर्मचारी के क्रेडिट कार्ड से 1.26 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़िता ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ठगी की घटना की जांच कर रही है।

सिरोल थाना क्षेत्र स्थित गोकुलधाम रेजीडेंसी में रहने वाली नेहा पत्नी विक्रांत शर्मा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक थाटीपुर में पदस्थ हैं। 12 जनवरी को सुबह के समय एक अज्ञात नम्बर से फोन आया। फोन करने वाली महिला ने खुद को क्रेडिट कार्ड कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड के रिवॉर्ड पॉइंट जल्द खत्म होने वाले हैं, जिन्हें रिडीम कराया जा सकता है। उनके हा कहते ही महिला ने ओटीपी भेजा, जिसे नेहा ने शेयर कर दिया। ओटीपी भेजते ही ठगों ने बैंक के क्रेडिट कार्ड से 29 हजार रुपए और एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से 97 हजार 420 रुपए निकाल लिए। ठगों ने कुल 1.26 लाख रुपए स्थानांतरण कर लिए। थोड़ी देर बाद बैंक से नेहा के पास फोन आया, जिसमें रकम स्थानांतरण की पुष्टि मांगी गई। नेहा माजरा समझ गई और उन्होंने मना कर दिया। बता दें नेहा शर्मा स्वयं बैंक कर्मी है और ग्राहकों को वह किसी भी प्रकार की ओटीपी साझा करने की बार बार मना करती है लेकिन वह स्वयं ठगों के जाल में फंस गई।

जीवाजी क्लब में बकाया सदस्यता शुल्क जमा न करने वाले सदस्यों की होगी छुट्टी

■ ग्वालियर

जीवाजी क्लब के नए सदस्यों द्वारा सदस्यता शुल्क जमा नहीं करने पर 31 मार्च के बाद सदस्यता से बाहर करते हुए छुट्टी कर दी जाएगी। यह निर्णय जीवाजी क्लब में अनुशासन समिति ए कार्यकारिणी बैठक में लिया गया। बैठक में क्लब के चेयर मेन वरिष्ठ आईपीएस राजा बाबू सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रारम्भ में क्लब के अध्यक्ष राजेंद्र सेठ ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात कार्यकारिणी चेयरमेन राजा बाबू सिंह का स्वागत किया। सचिव संजय वर्मा ने पिछले 15 महीनों में किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। अपना उद्बोधन दिया। उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष संजय नीखरा,सह सचिव केतन करन अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग शिवहरे, मधुर मित्तल अमर सिंह राठौड़, राजीव गुप्ता, आशीष दुबे, गगन भल्ला, दुर्गेश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

महिला प्रदेश अध्यक्ष परांजपे का जोरदार स्वागत

■ ग्वालियर

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे का प्रथम ग्वालियर आगमन पर रेलवे स्टेशन से विभिन्न मार्गों पर जोरदार स्वागत किया गया।वह रैली के रूप में भाजपा मुख्यालय मुखर्जी विभाग पहुंची। जहां भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर स्वागत से अभिभूत श्रीमती परांजपे ने कहा कि ग्वालियर की भूमि कई महापुरुषों की पुण्यभूमि है, ऐसी पुण्य धरा को मैं बारंबार प्रणाम करती हूं। भव्य स्वागत के लिए सभी मातृशक्ति को प्रणाम करती हूं। स्वागत करने वालों में महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलिमा शिंदे, जवाहर प्रजापति, विनय जैन, विनोद शर्मा, राजू पलैया, मंजू सिकरवार, खुशबू गुप्ता, ऊषा चैहान, मधुलिका क्षीरसागर, कमलेश कौरव, रेशु राजावत, करुणा सक्सेना, हेमलता भदौरिया, डॉ अंजली रायजाया, अपर्णा पाटील, रूपल शर्मा, स्वाति अग्रवाल, गीता मेवाफिरोज, व्यंजना मिश्रा, प्रीति थोराट, कारण भदोरिया, मनीषा बंसल आदि शामिल हैं।

केंद्रीय बजट पर महिला संवाद आज: भाजपा महिला मोर्चा महानगर का केंद्रीय बजट 2026 आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत को लेकर महिला संवाद 9 फरवरी को दोपहर 1 बजे दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होगा। महिला संवाद में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

साफा पहनाकर की तलवार भेंट

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री प्रिया तोमर द्वारा इंदरगंज चौराहे पर श्रीमती परांजपे को साफा पहनाकर तलवार एवं रामदरबार चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। ममता जादौन, तन्वी भदोरिया, पुष्पा मिश्रा, प्रियंका शर्मा, स्वेच्छा सिकरवार, कंचन शर्मा, साधना शर्मा, नेहा कुशवाह, सोनम दुबे, सरला मिश्रा, आरती राजावत, शिखा खटीक, सुनीता जादौन, बबली जादौन, सपना जादौन, वंदना सिकरवार, मेघा गर्ग आदि महिलाएं उपस्थित रहीं।

12 साल से सामाजिक समरसता को बढ़ावा दे रहा अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर

■स्थापना दिवस पर सभी अग्रवाल संस्थाओं के अध्यक्षों का किया सम्मान

■ ग्वालियर

अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर का 12वां स्थापना दिवस रविवार को मिलन गार्डन में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रहे। अध्यक्षता संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रामबाबू गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, पूर्व विधायक एवं मध्य प्रदेश बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल,

चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल तथा आईएमए अध्यक्ष डॉ. सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे।

संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रामबाबू गोयल ने स्वागत उद्बोधन में संस्था की स्थापना से लेकर अब तक की 12 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार अग्र मिलन ग्रेटर ग्वालियर समाज को जोड़ने, सामाजिक समरसता बढ़ाने और सेवा कार्यों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर ग्वालियर की सभी अग्रवाल संस्थाओं के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। साथ ही उन सभी अग्रवाल दंपतियों का भी अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया जिन्होंने साप्ताहिक बैठकों का आयोजन अपने निवास पर कर संस्था को मजबूती प्रदान की। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सदस्य प्रभुदयाल गोयल, डॉ. रामजीदास गोयल, डॉ. एलडी गर्ग ,ज्योति अग्रवाल, पूरनचंद अग्रवाल, राजकुमार गर्ग, शम्भूदयाल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

एयरलाइंस महिला कर्मी के साथ दुष्कर्म

ग्वालियर। पति से झगड़ा करने के बाद दोस्त के कहने पर शहर में आई एयरलाइंस महिला कर्मी के साथ युवक ने दुष्कर्म कर दिया।अहीर मोहल्ला जहांगीराबाद भोपाल निवासी महिला इंडिगो एयरलाइंस में काम करती थी, उसका अपने पति से झगड़ा हो गया था। पति से झगड़ा होने पर वह नाराज होकर 22 जनवरी को मंडीदीप चली गई। वहां से वापस भोपाल आ गई और फिर अपने ग्वालियर में रहने वाले दोस्त नितिन भदौरिया से बात की। महिला शहर में आ गई तो नितिन ने उस दिन एक होटल में रुकवाया और दूसरे दिन अपनी महिला दोस्त से मुलाकात करवाई। महिला दोस्त ने पंकज शुक्ला नाम के व्यक्ति से मुलाकात करवाई जो उसे गमोरा होटल के पास एक फ्लैट में ले गया। 25 जनवरी की सुबह महिला कर्मी को पंकज ने नाश्ता करवाया और रात को फिर फ्लैट पर पहुंच गया। महिला के साथ पंकज ने धमकी देकर दुष्कर्म कर दिया। अगले दिन पीड़िता ने अपने पति को आपबीती सुनाई। पीड़िता को लेकर विश्वविद्यालय थाने पहुंचे और घटना के बारे में बताया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली।

वैवाहिक जीवन को सफल बनाने 'तेरे मेरे सपने' संवाद केंद्र का शुभारंभ

■ ग्वालियर

राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के मार्गदर्शन में ग्वालियर जिले की संस्था फाउंडेशन फॉर वेलफेयर हेल्प रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट द्वारा स्थापित विवाह पूर्व संवाद केंद्र तेरे मेरे सपने का उद्घाटन विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीके जैन पूर्व आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि यह केंद्र राष्ट्रीय महिला आयोग की एक दूरदर्शी पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देशभर में प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर स्थापित करना है, ताकि उचित संवाद, जागरूकता और परामर्श के माध्यम से वैवाहिक जीवन की मजबूत नींव रखी जा सके।

डॉ. याशी जैन ने बताया की नव-स्थापित विवाह पूर्व संवाद केंद्र विवाह की तैयारी कर रहे युवक-युवतियों को एक सुरक्षित, पेशेवर और सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करेगा। डॉ. शबनम खान काउंसलर नवोदय

विद्यालय गुना ने कहा कि इस केंद्र के अंतर्गत भावनात्मक सामंजस्य, प्रभावी संवाद, साझा जिम्मेदारियां, लैंगिक संवेदनशीलता, कानूनी जागरूकता एवं विवाद समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे।

डॉ. समता प्रोफेसर एमिटी यूनिवर्सिटी ने बताया कि ये सेवाएं प्रशिक्षित काउंसलर, मनोवैज्ञानिक एवं कानूनी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएंगी, जिससे स्वस्थ, सम्मानजनक और सशक्त वैवाहिक संबंधों को बढ़ावा मिल सके। संस्था के अध्यक्ष राजीव सक्सेना ने बताया कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से रिश्तों में गलतफहमियां बढ़ रही हैं। तुलना, गोपनीयता की कमी और संवाद का अभाव वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर तेरे मेरे सपने इन समस्याओं पर समय रहते जागरूकता और समाधान प्रदान करता है। कार्यक्रम में संस्था सचिव डॉ. विजयादित्य प्रधान, डॉ. सोनल अग्निहोत्री, डॉ. राजीव गोयल, अभिषेक जैन, विपुल जैन, राजीव सक्सेना, अशोक प्रजापति,नवीन शर्मा, हरीश कनेरिया, ब्रिजेश शर्मा, उदय यादव, नरेंद्र शर्मा, भूपेन्द्र श्रीवास्तव, राजा खान, सब्नूर खान शामिल रहे। संचालन डॉ. विजयादित्य प्रधान एवं आभार अभिषेक जैन ने व्यक्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा स्वास्थ्य सेवा यात्रा

घाटीगांव के 21 जनजातीय गांवों में 1731 ग्रामीणों को मिला निःशुल्क उपचार

■ ग्वालियर

नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) एवं सेवा भारती, ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भगवान बिरसा मुंडा स्वास्थ्य सेवा यात्रा का प्रभावी और व्यापक आयोजन किया गया। पिछले चार वर्ष से निरंतर संचालित इस सेवा अभियान के अंतर्गत इस वर्ष घाटीगांव विकासखंड के 21 जनजातीय गांवों में एक साथ 21 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए।

इस स्वास्थ्य यात्रा का मुख्य उद्देश्य सुदूर जनजातीय अंचलों तक सुलभ एवं प्रभावी चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना रहा। साथ ही चिकित्सा विद्यार्थियों को ग्रामीण जनजातीय क्षेत्रों में रह रहे लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं को समझने, उनके निदान एवं उपचार के साथ सेवा-भाव विकसित करने तथा व्यवहारिक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करना भी इस अभियान का अहम लक्ष्य रहा।

स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से कुल 1731 ग्रामीणों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया, जिनमें 807 पुरुष एवं 924 महिलाएं शामिल रहीं। शिविरों में प्रमुख रूप से जोड़ों के दर्द, पेट संबंधी रोग, स्केबीज व अन्य चर्म रोग, फेफड़ों के संक्रमण, फंगल इन्फेक्शन तथा उच्च रक्तचाप के मरीज सामने आए।

वरिष्ठ चिकित्सकों व छात्रों ने दी सेवाएं

इस सेवा यात्रा में ग्वालियर के 30 वरिष्ठ चिकित्सकों एवं 80 चिकित्सा छात्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सेवा देने वाले प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. केएल राजौरिया (सेवानिवृत्त एडिशनल डायरेक्टर, हेल्थ सर्विसेज, उत्तर प्रदेश), डॉ. सुधीर सक्सेना (अधीक्षक एवं संयुक्त संचालक, जयारोग्य चिकित्सालय, ग्वालियर), डॉ. एसके शर्मा (अध्यक्ष, एनएमओ ग्वालियर), डॉ. एसपी लोहिया, डॉ. वीरा लोहिया, डॉ. जेएस नामधारी, डॉ. सुखदेव मखीजा, डॉ. जेसी गर्ग, डॉ. एसएस जादौन, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. आरके बंसल, डॉ. अंजना बंसल, डॉ. योगेंद्र वर्मा, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. मनीष चतुर्वेदी, डॉ. वीरेंद्र वर्मा (डिप्टी सुपरिटेंडेंट), डॉ. समीर गोखले, डॉ. पीके गुप्ता, डॉ. गजराज सिंह गुर्जर, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. दीपक चोपड़ा, डॉ. रामकुमार गुप्ता, डॉ. पवन जैन, डॉ. नितेश मुद्गल, डॉ. जितेंद्र दंडोतिया, डॉ. गौरी गोखले, डॉ. शत्रुघ्न सिंह, डॉ. दुआराम गुर्जर, डॉ. आकाश वर्मा, डॉ. राहुल पाठक एवं डॉ. मुकेश यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इन 21 गांवों को मिला लाभ

स्वास्थ्य शिविरों का लाभ घाटीगांव ब्लॉक के कासेर, बड़ा रायपुर, बंगालीपुरा, बरई, पवा, मिर्चा, पणिहार, राई का पुरा, पुल का पुरा, नयापुरा, भट्ट का पुरा, सिरसा, कैट, दुर्सैनी, बेरखेड़ा, गांव का पुरा (आरोन), रामपुरा, भगवानपुरा, नैनागिरी, हरदौलपुरा (करैया) और दौरार गांवों के ग्रामीणों को मिला।

नर सेवा ही नारायण सेवा का संकल्प

एनएमओ और सेवा भारती का यह संयुक्त प्रयास जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प को साकार करता दिखाई दिया। आयोजकों ने भविष्य में भी इस सेवा यात्रा को और व्यापक स्तर पर निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सरस्वती शिशु मंदिर में दीक्षांत समारोह संपन्न

ग्वालियर। सरस्वती शिशु मंदिर, 165 सरस्वती नगर में रविवार को कक्षा 10वीं का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अवधेश तोमर, विशिष्ट वक्ता विष्णु तिवारी (गीता स्वाध्याय के प्रांतीय महामंत्री), विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल शर्मा, अध्यक्षता संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनीष खेमरिया तथा विद्यालय के प्राचार्य महेश त्यागी उपस्थित रहे। वक्ता श्री तिवारी ने अपने आशीर्वचन में भैया-बहनों को आगामी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं तथा लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासित अध्ययन करने का मार्गदर्शन दिया। वहीं अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. खेमरिया ने कहा कि जीवन में अनुशासन जितना अधिक होगा, सफलता उतनी ही सुनिश्चित होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने का आह्वान किया। इसके पश्चात कक्षा 10वीं के भैया-बहनों ने अपने विद्यालयीन अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन बहिन भाविका शुक्ला एवं श्वेता शर्मा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन भाग्यश्री परमार ने किया।

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतरू कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

सदनों में जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों का रवैया

> 18वीं लोकसभा (2024-2029) में कुल 543 सांसद चुने गए हैं। यानि देश का केन्द्र एवं राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों की संख्या कम नही है। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष जिस तरह से सदन में जनभावनाओं से प्रेरित, देश विकास में समर्पित मुद्दों से भटककर आरोप प्रत्यारोप में सदन का वक्त जाया करने के साथ जनता की गाढ़ी कमाई बरबाद करता है वह वाकई जनता के लिए पीड़ा कारी है। एक आकड़े के अनुसार एक घन्टे अगर केन्द्र सरकार के सदन में हंगामा हो जाए तो 1.5 करोड़ और विधानसभाओं में लगभग 25 से 50 लाख रुपए बरबाद होते है जो जनता के टैक्स का पैसा होता है। यह स्थिति केवल संसद में नही बल्कि विधानसभाओं में भी लगातार जारी है। एक समय था कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन दलगत पार्टी से हटकर जनहित में निभाते थे। अब योजनाओं पर विचार करने के बजाय कुछ ऐसे मुद्दों पर बस चल रही है। अब हमें यह कहने में संकोच होता है।

प्रेम शर्मा

भारत में मुख्य जनप्रतिनिधियों में लोकसभा के 543 निर्वाचित सांसद और राज्यसभा के 245 (233 निर्वाचित $ 12 मनोनीत) सदस्य शामिल हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके अलावा, राज्यों की विधानसभाओं में कुल 4,120 विधायक होते हैं। 18वीं लोकसभा (2024-2029) में कुल 543 सांसद चुने गए हैं। यानि देश का केन्द्र एवं राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों की संख्या कम नही है। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष जिस तरह से सदन में जनभावनाओं से प्रेरित, देश विकास में समर्पित मुद्दों से भटककर आरोप प्रत्यारोप में सदन का वक्त जाया करने के साथ जनता की गाढ़ी कमाई बरबाद करता है वह वाकई जनता के लिए पीड़ा कारी है। एक आकड़े के अनुसार एक घंन्टे अगर केन्द्र सरकार के सदन में हंगामा हो जाए तो 1.5 करोड़ और विधानसभाओं में लगभग 25 से 50 लाख रुपए बरबाद होते है जो जनता के टैक्स का पैसा होता है। यह स्थिति केवल संसद में नही बल्कि विधानसभाओं में भी लगातार जारी है। एक समय था कि जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन दलगत पार्टी से हटकर जनहित में निभाते थे। अब योजनाओं पर विचार करने के बजाय कुछ ऐसे मुद्दों पर बस चल रही है। अब हमें यह कहने में संकोच होता है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है। यह वही भारतीय संसद है जहां 1950 के दशक में एक नए सांसद अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आलोचना पर प्रधानमंत्री जी विचलित नहीं हुए बल्कि उस युवा सांसद के पास जाकर उसके भाषण की तारीफ की और यह कह दिया कि तुम एक दिन इस देश के प्रधानमंत्री बनोगे और वही युवा सांसद अटल बिहारी वाजपेयी जब देश का विदेश मंत्री बना तो उसने देखा कि उनके कार्यालय जो साउथ ब्लॉक में स्थित था से नेहरू जी की फोटो गायब थी जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई और पंडित नेहरू की फोटो वहां पर फिर लगवा दी गई। यह वही भारत है जब 1991 में नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने तो उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का पक्ष रखने के लिए अपनी पार्टी से कोई नहीं मिला तो उन्होंने नेता विपक्ष अटल बिहारी वाजपेई को जिनेवा में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजा। आज लोकसभा और राज्यसभा से लेकर विधानसभाओं तक में बहस का स्तर इतना गिर गया है की समझ में नहीं आ रहा कि हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली कहां जा रही है।संसद और विधानसभओं में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, बिजली और पानी की कमी, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ मजबूती से उठाया जाना चाहिए।संसद में जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन चर्चा के बजाय हंगामा और असंबंधित बातों से कार्यवाही बाधित करना पूरी तरह गलत है। सत्ता पक्ष और विपक्ष जन मुद्दों को छोड़कर एक दूसरे के चरित्र, कमजोरी लेकर जो दंगल कर रहे है वह ठीक नही है। देश की जनता सब देख रही। आज भारत की संसद और विधानसभाओं में हंगामा है। देश को चलाने वाले नेता एक दूसरे पर लांछन लगा रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि लोकतंत्र को चलाना उनका दायित्व है. पहले संसद का, फिर लोकतंत्र का मखौल उड़ाकर, प्रतिष्ठा गिराकर उनका भी लाभ नहीं होगा।जनप्रतिनिधियों को सदन की गरिमा बनाए रखते हुए जनभावनाओं और जनता के विश्वास को याद रखना अनिवार्य है। उन्हें शोर-शराबे और नियोजित गतिरोध के बजाय सार्थक चर्चा और संवाद के माध्यम से व्यापक जनहित के मुद्दों का समाधान करना चाहिए। संसद और विधानसभा संवाद और विकास का मंच है, जहाँ जनप्रतिनिधियों का दायित्व जनभावनाओं को आवाज देना है, न कि व्यवधान डालना। सदनों की मयार्दा के अनुकूल आचरण करना और देश की अपेक्षाओं को पूरा करना प्रत्येक निर्वाचित सदस्य का प्राथमिक कर्तव्य है।जनकल्याण की प्रतिबद्धतारू जनप्रतिनिधियों को निर्वाचित क्षेत्र और संपूर्ण राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित रहकर कर्म करना चाहिए। अगर ये नेता लोकतंत्र की रक्षा न कर सकें तो उन्हें सार्वभौम अधिकार लेने का कोई हक नहीं. लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाना उनका मकसद नहीं होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में जाने वाली देश की प्रमुख पार्टियां हैं, जो बदल बदल कर सरकार चलाती हैं। उन्हें सदन में और सदन के बाहर अपने आचरण पर विचार करना चाहिए। देश में ही नहीं विदेशों में भी उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। वैसे तो राजनीति का अभिप्राय राजकाज चलाने वाली नीति से है। इसकामकसद समतामूलक सुसभ्य समाज का निर्माण करना और देश के चहुंमुखी विकास में योगदान देना है। लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह क्षरण कहां जाकर थमेगा, पुख्ता तौर पर कोई नहीं कह सकता। यह गिरावट एक दिन में नहीं आयी है। आजादी के बाद हमारे संविधान निमार्ताओं और नीति नियंताओं ने काफी सोच-विचार कर समाज और देश के विकास का सपना देखा था। तब हमारी गिनती एक लुटे-पिटे गरीब देशों में होती थी। आज हम विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होने का दावा करते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर तेजी से पाताल की ओर गिरते जा रहे हैं। सबसे खास बॉत यह कि आज का दौर डिजीटल मीडिया और सोशल मीडिया का दौर है। इस दौर में सामान्य विधायक से लेकर खास विधायक सांसद, मंत्री, नेता सदन, नेता विपक्ष, स्पीकर तथा अन्य जिम्मेदारों की बॉत, हावभाव किसी ना किसी तरीके से आम जनता को देखने,सुनने मिल जाते है। उनका पक्षपात, जनता के प्रति गैरजिम्मेदारी भरा बयान या हरकत सबकुछ रिकार्ड होती रहती है इसके बावजूद सत्तापक्ष और जिस तरह जनविरोधी आचरण सदनों में कर रहा है वह भगवान तुल्य कहे जाने वाले मतदाता और आम जनता के साथ सीधे धोखा है। यानि इतना तय है कि जनता के प्रति अपनी जबाबदेही के लिए पक्ष विपक्ष अपने आप को अलग नही बता सकता।

अमेरिका से व्यापार समझौते में सब गोलमाल !

> पत्रकारों को इस तरह एक-दूसरे के पास टरकाने का क्या मतलब है। क्या सरकार के मंत्रियों में आपस में बात नहीं होती या सबको अपने हिस्से का श्रेय चाहिए या कि सरकार को खुद ही नहीं पता है कि आखिर में डील में क्या-क्या है और क्या-क्या नहीं है। जैसे पीयूष गोयल ने इससे पहले कहा था कि 3-4 दिनों में भारत-यूएस ट्रेड डील हो जाएगी। लेकिन अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने शुक्रवार रात को ही इसकी घोषणा कर दी। बताया जा रहा है कि भारत में तब तक किसी मंत्रालय के पास ट्रेड डील के फ्रेमवर्क की जानकारी नहीं थी। इसके बाद पीयूष गोयल और पीएम मोदी और अन्य मंत्रियों ने इस पर ट्वीट करना शुरू किया। बहरहाल, पीयूष गोयल ने बताया कि भारत में किन क्षेत्रों को अमेरिका में निर्यात पर शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, उनमें रत्न और आभूषण, हीरे, दवाइयां, जेनेरिक और फार्मा उत्पाद, स्मार्टफोन शामिल हैं। इसके अलावा बताया गया कि कई कृषि उत्पादों पर पहले 50 प्रतिशत तक लगने वाला शुल्क अब शून्य हो जाएगा। इनमें मसाले, चाय, कॉफी, खोपरा, नारियल, नारियल तेल, वनस्पति तेल, सुपारी, ब्राजील नट्स, काजू, चेस्टनट, एवाकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, मशरूम, सब्जियों की पौध जड़ें, जौ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ शामिल हैं। वाणिज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस समझौते में किसी भी ऐसे उत्पाद को शामिल नहीं किया गया है जिससे भारतीय किसानों को नुकसान हो। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील वस्तुओं को समझौते से बाहर रखा गया है।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर मोदी सरकार बड़ी कामयाबी की डींगे हांक रही है, लेकिन धरातल पर नजर आ रहा है कि वह हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। शनिवार 7 फरवरी को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विवरण को लेकर जो प्रेस वार्ता की, उसमें न केवल देश के हितों से विरोधाभास नजर आया, बल्कि यह भी साफ दिखा कि सरकार के भीतर ही अब तक सारी बातें स्पष्ट नहीं हैं और दो मंत्रियों के बीच गेंद को एक-दूसरे के पाले में डालने का खेल चल रहा है। तीन दिन पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब पूछा गया कि व्यापार समझौते पर ताजा जानकारी क्या है? तो उन्होंने कहा था कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से पूछिए। वो ही इसको देख रहे हैं। वहीं पीयूष गोयल से जब शनिवार को रूस से तेल खरीद पर स्थिति साफ करने को कहा गया तो श्री गोयल ने कहा कि विदेश मंत्रालय से पूछिए। पत्रकारों को इस तरह एक-दूसरे के पास टरकाने का क्या मतलब है। क्या सरकार के मंत्रियों में आपस में बात नहीं होती या सबको अपने हिस्से का श्रेय चाहिए या कि सरकार को खुद ही नहीं पता है कि आखिर में डील में क्या-क्या है और क्या-क्या नहीं है। जैसे पीयूष गोयल ने इससे पहले कहा था कि 3-4 दिनों में भारत-यूएस ट्रेड डील हो जाएगी। लेकिन अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने शुक्रवार रात को ही इसकी घोषणा कर दी। बताया जा रहा है कि भारत में तब तक किसी मंत्रालय के पास ट्रेड डील के फ्रेमवर्क की जानकारी नहीं थी। इसके बाद पीयूष गोयल और पीएम मोदी और अन्य मंत्रियों ने इस पर ट्वीट करना शुरू किया। बहरहाल, पीयूष गोयल ने बताया कि भारत में किन क्षेत्रों को अमेरिका में निर्यात पर शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा, उनमें रत्न और आभूषण, हीरे, दवाइयां, जेनेरिक और फार्मा उत्पाद, स्मार्टफोन शामिल हैं। इसके अलावा बताया गया कि कई कृषि उत्पादों पर पहले 50 प्रतिशत तक लगने वाला शुल्क अब शून्य हो जाएगा। इनमें मसाले, चाय, कॉफी, खोपरा, नारियल, नारियल तेल, वनस्पति तेल, सुपारी, ब्राजील नट्स, काजू, चेस्टनट, एवाकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, मशरूम, सब्जियों की पौध जड़ें, जौ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ शामिल हैं। वाणिज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस समझौते में किसी भी ऐसे उत्पाद को शामिल नहीं किया गया है जिससे भारतीय किसानों को नुकसान हो। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील वस्तुओं को समझौते से बाहर रखा गया है। भारत में किसी भी प्रकार के जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं दी गई है। वाणिज्य मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ यह व्यापार समझौता किसानों, एमएसएमई, हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों के हितों को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इस तरह का स्पष्टीकरण देने का मतलब ही है कि कहीं कुछ छिपाया जा रहा है। वैसे भी भारतीय किसानों ने चेतावनी दे ही दी है कि उनके खिलाफ सरकार गई तो फिर आंदोलन पर उतर जाएंगे। शायद इसलिए सरकार अभी से उन्हें समझाने में लगी है। वैसे पीयूष गोयल के अनुसार, इस समझौते से श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और फुटवियर, खिलौने तथा रत्न एवं आभूषण के निर्यात में तेजी आएगी। इससे बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश में उत्पादन क्षमता मजबूत होगी। मतलब बेरोजगारी दूर करने का नया झुनझुना थमाया गया है। पीयूष गोयल ने ये तो बताया कि क्या निर्यात होगा, लेकिन आयात क्या होगा, और उसके लिए धन का इंतजाम कैसे होगा, ये नहीं बताया। समझौते के मुताबिक भारत ने अगले पांच सालों में अमेरिका से पांच सौ बिलियन डॉलर के उत्पाद खरीदने का वादा किया है, यानि भारत को अपना आयात 3 गुना बढ़ाना पड़ेगा। हमारा आयात शुल्क 40-42 बिलियन डॉलर से बढ़कर लगभग सौ बिलियन डॉलर प्रति वर्ष हो जाएगा। कमजोर रुपये और नाजुक अर्थव्यवस्था के साथ, यह पैसा कहां से आएगा? यह समझौता बराबरी का कम और ब्लैकमेलिंग का ज्यादा लगता है। इस बारे में कांग्रेस ने सही कहा कि दोस्ती बराबरी की होती है। ऐसे में जब दोस्त आपको रोज 2 थप्पड़ मारे और आपके कुछ कहने पर एक थप्पड़ कम कर दे। तो आप इसे रियायत समझकर खुश नहीं हो सकते। क्या ये दोस्ती है? 3प्रतिशत के टैरिफ को बढ़ाकर 50प्रतिशत कर दिया और अब घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया, तो मोदीजी खुश हो रहे हैं। कांग्रेस ने पूछा कि जिस 3प्रतिशत की वजह से अर्थव्यवस्था मजबूत हुई, क्या उसे आप भूल जाएंगे? मोदी सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। इस बीच एक झटका अमेरिका ने और दिया है।

नयी फिल्मों में हावी पुराना म्यूजिक

> स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

90 के दशक का संगीत फिल्मकारों को शिद्दत से याद आने लगा है। दरअसल पुरानी फिल्मों के सुपरहिट गानों को नयी फिल्म में सिचुएशन के हिसाब से फिट कर दिया जाता है। आज के ज्यादातर संगीतकार व गायक नया सृजन करने में विफल रहे। यूं भी पुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज्यादा याद रहते हैं। हाल-फिलहाल की फिल्मों पर गौर फरमाएं तो हमारी बॉलीवुड फिल्मों में संगीत का स्लॉट भरने के लिए सिचुएशन-बेस्ड पुरानी फिल्मों के गानों को रखा जा रहा है। खास तौर पर 90 के दशक का संगीत हमारे फिल्मवालों को शिद्दत से याद आने लगा है। ताजा उदाहरण है आदित्य धर की सुपरहिट फिल्म ह्यधुरंधर। सच्चाई ये है कि भारतीय फिल्म संगीत का सुनहरा दौर 90 के दशक के सुरीले समय के बाद से लगभग शांत हो चुका है। इसी के चलते अब फिल्मों में पुराना 90 का संगीत हावी होने लगा है। ज्यादातर संगीतकार व गायक कुछ नया करने में अक्षम साबित हुए हैं। इनका सृजन सिर्फ नकल आधारित होता है। इंतहा ये कि ह्यमोहरा का तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त, ह्यतेजाब का एक दो तीन या ह्यजुड़वां का चलती है क्या नौ से बारह जैसे कई लोकप्रिय गानों के अपने सस्ते रीमिक्स को अपना गाना बता रहे हैं। ऐसे में पुराने सुपरहिट फिल्मी गानों का दबदबा भी जबरदस्त बना हुआ है। रीमिक्स की बात छोड़ दें तो अक्सर 60, 70 और 80 के दशक के हिट गानों को फिल्मों में भी धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। हिट फिल्मों के एक निमार्ता कहते हैं, ह्यकई बार कुछ सिचुएशन-बेस्ड गानों में पुरानी फिल्मों का कोई गाना फिट बैठता है। ऐसे में कॉपीराइट विवाद सुलझाते हुए ऐसे हिट गानों का इस्तेमाल किया जा रहा है।रीमिक्स गानों ने बॉलीवुड फिल्मों का बहुत कबाड़ा किया। इनमें कई दिग्गज नाम शामिल हैं। एक-दो पंक्तियां गुनगुनाने की बजाय पुराने गाने का मुखड़ा ही क्यों गाया जाता है, एक दिग्गज का जवाब दिलचस्प होता है, ह्यपुराने हिट गानों के मुखड़े लोगों को ज्यादा याद रहते हैं। इसलिए मैंने कुछ फिल्मों में कुछ नया क्रिएट करने की बजाय पुराने गानों की हिट लाइन को रखना ज्यादा ठीक समझा। संगीत के बेसुरे लोगों को अब किसी बड़े संगीत आयोजन में कोई याद नहीं करता। टीवी रियलिटी शो में ये जरूर जुगाड़ कर जज बन जाते हैं, पर यहां भी 90 के किसी लोकप्रिय गायक या पुराने किसी संगीतकार को आमंत्रित जज के तौर पर याद किया जाता है। ऐसे में 90 के दशक के गायक उदित नारायण, अलका याज्ञिक, साधना सरगम, कुमार शानू, सुरेश वाडकर, रूप कुमार राठौड़ और अभिजीत को उनकी मुंहमांगी फीस पर बुलाया जाता है। प्रायोजकों को यह बात समझ में आ गई है कि अगर वे अपने चार-पांच हिट गाने भी गा देते हैं, तो अच्छी टीआरपी मिल जाती है। नए संगीतकारों की निरर्थकता के चलते ही 90 के हिट गानों को एंट्री मिली है। असल में अमित त्रिवेदी, साजिदवाजिद, विशाल,शेखर , अंकित तिवारी जैसे नए दौर के संगीतकारों में प्रीतम जैसे ही कुछेक संगीतकार हैं, जो कभी-कभी कर्णप्रियता का दामन थाम लेते हैं। अपरिपक्व निर्देशक भी संगीत को संभालने में विफल साबित हुए। एकमात्र संजय लीला भंसाली ही इस मामले में काफी उम्मीद जगाते हैं। उनकी फिल्मों में हमेशा दो-तीन सुरीले गाने होते हैं। फिल्म धुरंधर में तीन-चार पुराने हिट गानों का बेहद बेहतरीन इस्तेमाल हुआ है। इसके निर्देशक आदित्य धर कहते हैं, सिचुएशन-बेस्ड नए गाने बनवाने की बजाय मुझे यह तरीका ज्यादा अच्छा लगा।

राज्यपाल का भाषण परम्परा से हटकर वास्तविक होता तो यह बेहतर होता: मायावती

लखनऊ,(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का भाषण परम्परा से हटकर राज्य के विकास एवं सर्वसमाज के उत्थान समेत व्यापक जनहित में वास्तविक एवं थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। मायावती ने एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल द्वारा विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किये जाने की संसदीय परम्परा से शुरू हुआ, किन्तु उनका यह भाषण परम्परा से हटकर प्रदेश के विकास एवं सर्वसमाज के उत्थान समेत व्यापक जनहित में वास्तविक एवं थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। उन्होंने कहा,वास्तव में पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के करोड़ों लोग सरकार की गलत नीतियों एवं कार्यकलापों से त्रस्त हैं। उन्हें गरीबी एवं बेरोजगारी आदि के कारण अनेकों प्रकार की कठिन पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किन्तु इन सबसे ज्यादा उन्हें अपने जान-माल एवं मजहब की ज्यादा चिन्ता सता रही है, जिसके प्रति राज्यपाल को सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था ताकि प्रदेश की जनता के साथ-साथ विपक्ष को भी थोड़ा आश्वासन मिलता।

हृदय रोग, कैंसर से लेकर डिमेंशिया और डिप्रेशन तक से होगा बचाव, बना लीजिए बस ये एक आदत

शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए सक्रिय रहना सबसे जरूरी माना जाता है। सक्रिय रहने का मतलब आमतौर पर लोग जिम जाने, भारी मेहनत वाले व्यायाम करने से निकालते हैं। हालांकि इस भागदौड़ और व्यस्त दुनिया में सभी लोगों के लिए रोजाना जिम के लिए समय निकाल पाना कठिन हो सकता है। ऐसे लोग नियमित रूप से वॉक करने की आदत बनाकर भी विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पहले के कई अध्ययनों में विशेषज्ञों की टीम बताती रही है कि रोजाना 10 हजार कदम चलने की आदत आपको कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाने में मददगार हो सकती है। इसी से संबंधित अब एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने डेली वॉक करने की आदत के और भी कई व्यापक लाभ के बारे में बताया है। द लैंसेंट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में टीम ने बताया कि अगर आप रोजाना 10 हजार कदम नहीं चल पाते हैं, रोजाना 7000 कदम भी चल लेते हैं तो इससे आपको कई प्रकार के स्वास्थ्य

लाभ हो सकते हैं। शोध के अनुसार वॉक करने की ये आदत डिमेंशिया और अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं के खतरे को कम करने में भी आपके लिए मददगार हो सकती है। ब्रेन के साथ हृदय स्वास्थ्य के लिए भी इसके लाभ देखे गए हैं।

10 हजार कदम नहीं चल पाते तो 7000 भी सही

ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विसेज (एनएचएस) के विशेषज्ञ सभी लोगों को हर दिन कम से कम 10 मिनट तेज गति से वॉक करने की सलाह देते हैं। अब शोधकताओं ने गणना की है अगर आप सात हजार कदम भी चल लेते हैं तो ये अच्छी सेहत के लिए पर्याप्त हो सकता है। इस अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों की टीम ने 1.60 लाख से अधिक वयस्कों के डेटा की जांच की और पाया कि प्रतिदिन 7,000 कदम चलने से शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई गंभीर स्थितियों और मृत्यु का खतरा कम हो सकता है।

हृदय रोग, कैंसर से लेकर डिमेंशिया और डिप्रेशन तक में मिलेगा लाभ

वॉक करने और इससे होने वाले फायदों को लेकर पिछले अध्ययनों में मुख्यरूप से इसके हृदय स्वास्थ्य, कैंसर से बचाव या समग्र मृत्यु दर कम होने के बीच संबंधों की जांच की जाती रही थी। इस शोध से पता चलता है कि वॉक करना हृदय रोग और कैंसर से तो आपको बचाता ही है साथ ही इससे डिमेंशिया और डिप्रेशन जैसे गंभीर मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं के खतरे को कम किया जा सकता है। शोधकताओं ने पाया कि प्रतिदिन 2,000 कदम चलने वालों की तुलना में, 7,000 कदम चलने की आदत कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को 37% तक कम कर सकती है। इतना ही नहीं इतना ही वॉक करना टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को 14%, डिमेंशिया के खतरे को 38%, डिप्रेशन को 22% और शारीरक असंतुलन या गिरने के जोखिमों को 28% तक कम कर सकती है। रोज 7000 कदम चलने का आदत से हृदय रोग के जोखिम में 25% की कमी आई और असमय मृत्यु का खतरा 47% तक कम हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप जितना भी चलते हैं, इसकी गुणवत्ता या तीव्रता से ज्यादा ये जरूरी है कि आप चल रहे हैं, यानी शारीरिक रूप से सक्रिय हैं। सिडनी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ पब्लिक हेल्थ मेलोडी डिंग कहती हैं, जो लोग पहले से ही 10,000 कदम चल चुके हैं, उन्हें 7,000 कदम नहीं चलना चाहिए, लेकिन जो लोग वर्तमान में निष्क्रिय हैं, उनके लिए 7,000 कदम चलना अधिक व्यावहारिक लक्ष्य है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ में क्लिनिकल एक्सरसाइज फिजियोलॉजी के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. एंड्रयू स्कॉट ने बताया कि जो लोग वजन उठाने वाले व्यायाम के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं उनके लिए वॉक करना बहुत उपयोगी हो सकता है। हालांकि इसकी साइकिल चलाने, तैराकी और नौकायन जैसी गतिविधियों के साथ तुलना करना बाकी है।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

क्या पीरियड्स आने के बाद भी होते हैं प्रेग्नेंसी के चांसेज, यहां जानिए इसका जवाब

प्रेग्नेंसी टेस्ट का निगेटिव या पॉजिटिव आना इस बात पर निर्भर करता है कि आपने पीरियड्स न आने के कितने दिन बाद टेस्ट किया है। क्या यह सच होता है कि पीरियड्स आने पर प्रेग्नेंसी होने का कोई चांस नहीं होता है। या फिर पीरियड्स आने के बाद भी महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं।

पीरियड्स मिस करना प्रेग्नेंसी का संकेत माना जाता है। ऐसे में जब भी कपल कंसीव करने की प्लानिंग करता है, तो पीरियड्स न आने पर महिलाएं प्रेग्नेंसी को कंफर्म मान लेती हैं। साथ ही टेस्ट किट के जरिए महिलाएं प्रेग्नेंसी चेक करती हैं। लेकिन प्रेग्नेंसी टेस्ट का निगेटिव या पॉजिटिव आना इस बात पर निर्भर करता है कि आपने पीरियड्स न आने के कितने दिन बाद टेस्ट किया है। क्या यह सच होता है कि पीरियड्स आने पर प्रेग्नेंसी होने का कोई चांस नहीं होता है। या फिर पीरियड्स आने के बाद भी महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं। अगर आपके मन भी ऐसा सवाल है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। अगर आपको भी पीरियड्स आ गए हैं, तो इसका मतलब यह है कि एग फर्टिलाइज नहीं हुआ है और आप प्रेग्नेंट नहीं हैं। वहीं कई बार वजाइना से हल्की स्पॉटिंग या ब्लड आ सकता है। हालांकि यह नॉर्मल कब है और कब इसको खतरे की घंटी मानें, यह समझना जरूरी है।

बता दें कि कई बार इंप्लांटेशन ब्लीडिंग होती है और महिलाएं इसको पीरियड्स समझ लेती हैं। दरअसल, यह ब्लीडिंग इंप्लांटेशन की वजह होती है और पीरियड्स से इसका कोई लेना-देना नहीं होता है।

महिलाओं में कई बार हार्मोनल उतार-चढ़ावे की वजह से प्रेग्नेंसी में हल्की स्पॉटिंग या ब्लीडिंग हो जाती है। लेकिन अगर यह अधिक होती है, तो फौरन डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए।

अगर महिला का ओव्युलेशन साइकिल अनियमित है, तब भी ऐसा हो सकता है। इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

एक्सपर्ट की मानें, तो पीरियड्स का आना या ना आना प्रेग्नेंसी का संकेत हो सकता है। लेकिन इसको कंफर्म प्रेग्नेंसी समझना सही नहीं है। इसके साथ, मतली, थकान, ब्रेस्ट में बदलाव और मूड स्विंग्स आदि के लक्षण दिखने पर पहले प्रेग्नेंसी टेस्ट करें। इसके बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए। अगर आपको नॉर्मल दिनों या प्रेग्नेंसी में किसी भी तरह की असामान्य ब्लीडिंग महसूस होती है, तो डॉक्टर को दिखाना उचित रहेगा।

रक्षा बन्धन पर खूबसूरत दिखने के लिए आसान मेकअप गाइड

सावन के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाने वाला रक्षा बन्धन हर साल उमस भरे बरसाती मौसम में एक खास त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह त्यौहार भाई-बहन के प्रेम और समर्पण का प्रतीक है, जहाँ बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। बदले में भाई बहनों को सुरक्षा का वचन देते हैं। इस दिन का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह रिश्तों में मजबूती और अपनापन लाता है।

रक्षा बन्धन का शुभ मुहूर्त

धर्मशास्त्र के अनुसार, इस बार रक्षा बन्धन का शुभ कार्य 19 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 31 मिनट के बाद किया जाएगा। भद्रा रहित काल में राखी बांधना अत्यंत शुभ माना जाता है। इस अवसर पर भाई-बहन अपने रिश्ते को और भी मजबूत करते हैं और नए अंदाज में इस त्योहार को मनाते हैं।

त्योहार पर पहनावा और सुंदरता की तैयारी

रक्षा बन्धन का त्योहार बरसात के मौसम में आता है, इसलिए बहनों को अपने पहनावे और सुंदरता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रॉयल ब्लू, लाल, गुलाबी या मैरून जैसे चटकीले रंगों के साथ-साथ सादे परिधानों में भी बहनें सुंदर दिख सकती हैं इस मौसम में चमकती और आकर्षक त्वचा पाने के लिए घरेलू नुस्खे अपनाना जरूरी होता है। त्योहार से कम से कम एक हफ्ते पहले से त्वचा की देखभाल शुरू कर दें।

घरेलू नुस्खे त्वचा की देखभाल के लिए

तरबूज का जूसः त्वचा को ताजगी और कोमलता देने के लिए तरबूज का जूस चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

फ्रूट मास्कः केला, सेब, पपीता और संतरे को मिलाकर चेहरे पर आधे घंटे तक लगाएं, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह मास्क मृत कोशिकाओं को हटाता है और त्वचा को ठंडक पहुंचाता है।

कुलिंज मास्कः खीरे के रस में दूध पाउडर और अंडे का सफेद भाग मिलाकर चेहरे पर लगाएं और आधा घंटा बाद धो लें।

तैलीय त्वचा के लिए मास्कः मुलतानी मिट्टी में गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर आधे घंटे तक लगाएं।

मास्क लगाने के बाद गुलाब जल से भिगोए हुए कॉटन वूल पैड या ठंडे टी-बैग को आंखों पर रखें। यह आंखों को ठंडक और चमक देगा।

बालों की देखभाल

बरसात के मौसम में बाल घुंघराले और रूखे हो सकते हैं। इसके लिए कंडीशनर में पानी मिलाकर स्प्रे की तरह बालों पर छिड़कें, कंघी करें और एक घंटे बाद धो लें। रक्षा बन्धन के दिन बालों की परंपरागत चोटी या घुंघराले स्टाइल आकर्षक लगते हैं। बालों को फैन्सी क्लिप या रिबन से सजाएं और फूल जड़कर अपनी खूबसूरती बढ़ाएं।

मेकअप टिप्स

दिन के समय हल्का और प्राकृतिक मेकअप करें। फाउंडेशन की जगह मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाएं। तैलीय त्वचा के लिए एस्ट्रिंजेंट लोशन और कॉम्पैक्ट पाउडर का उपयोग करें। आंखों के लिए आई पेंसिल और भूरे या स्लेटी शैडो से हल्का मेकअप करें। मस्कारा लगाना न भूलें। लिपस्टिक के लिए हल्के गुलाबी, बैंगनी, कांस्य या तांबे के रंग चुनें, जो ज्यादा तेज या गहरे न हों। रक्षा बन्धन न केवल भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर है जब हर बहन अपने भाई के लिए शुभकामनाएं लेकर आती है और भाई अपनी सुरक्षा का वादा करता है। इस पवित्र दिन को और भी खास बनाने के लिए सुंदरता और पहनावे का ख्याल रखना जरूरी है। घरेलू नुस्खों से त्वचा और बालों की देखभाल करें और त्योहार में मनमोहक नजर आएं।

आंत के बैक्टीरिया से मस्तिष्क का क्या संबंध है? आखिर कैसे दिमाग को कंट्रोल करते हैं ये बैक्टीरिया

हमारा मस्तिष्क और हमारा पेट दोनों ही शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं। बहुत कम लोगों को मालूम है कि हमारा मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा संबंध है। आइए इस लेख में जानते हैं कि आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को कैसे प्रभावित करते हैं। हमारा शरीर एक जटिल तंत्र है, जहां हर अंग एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इनमें मस्तिष्क और पेट का संबंध सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। हालांकि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि पेट का काम सिर्फ खाना पचाना है, पर बहुत कम लोगों को यह मालूम है कि हमारे मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा और सीधा संबंध है। हमारा पेट सिर्फ भोजन पचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह अरबों सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का घर भी है, जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोम कहते हैं। ये बैक्टीरिया हमारे शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क के साथ लगातार संवाद करते हैं। यह संवाद सिर्फ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य, हमारी भावनाओं, मूड और यहां तक कि सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। यह संबंध जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक गहरा और प्रभावशाली है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि हमारे आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को कैसे कंट्रोल करते हैं। आंत और मस्तिष्क में संवाद के तरीके आंत और मस्तिष्क के बीच का संवाद कई तरीकों से हो सकता है। सबसे पहला वेगस तंत्रिका एक सीधा रास्ता है, जो पेट से दिमाग और दिमाग से पेट तक संदेश ले जाती है, जिससे दोनों आपस में जुड़े रहते हैं। इसके अलावा, आंत के बैक्टीरिया कई रासायनिक संदेशवाहक (न्यूरोट्रांसमीटर) बनाते हैं, जैसे सेरोटोनिन, जिसका 90% हिस्सा पेट में ही बनता है। ये रसायन हमारे मूड, नींद और भूख पर असर डालते हैं। साथ ही, आंत का स्वास्थ्य सीधे हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करता है, आंत में असंतुलन होने पर सूजन बढ़ती है, जो दिमाग और मानसिक सेहत पर बुरा असर डाल सकती है।

आंत के बैक्टीरिया मानसिक स्वास्थ्य और मूड को कैसे प्रभावित करते हैं?

आंत माइक्रोबायोम का असंतुलन, जिसे डिसबायोसिस कहते हैं, चिंता और डिप्रेशन के बढ़ते जोखिम या गंभीरता से जुड़ा हुआ है। एक अस्वस्थ आंत से शरीर में सूजन बढ़ सकती है और न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन बाधित हो सकता है, जिससे मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। आंत के बैक्टीरिया शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को भी प्रभावित करते हैं। एक स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम आपको तनाव के प्रति अधिक लचीला बना सकता है। इसके अलावा, आंत का संतुलन याददाश्त, सीखने की क्षमता और समग्र संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है। नींद के पैटर्न भी आंत के स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं।

प्री वेडिंग शूट के लिए परफेक्ट हैं ये जगहें, रॉयल्टी और रोमांस के लिए दिखेगा दोगुना

अगर आप भी अपनी लव स्टोरी को कैमरे में यादगार और रोमांटिक लम्हे के तौर पर कैप्चर करना चाहते हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की सबसे बेहतरीन प्री-वेडिंग फोटोशूट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में लोग हर खास मौके को यादगार बनाना चाहते हैं। शादी दो लोगों की जिंदगी का सबसे खास मौका होता है। शादी से पहले पार्टनर के साथ खूबसूरत हर पल को यादों के तौर पर सेलिब्रेट करने के लिए लोग प्री वेडिंग शूट कराते हैं। आजकल हर कपल के लिए प्री-वेडिंग फोटोशूट एक खास याद बन चुका है। कपल प्री वेडिंग शूट के लिए ऐसी जगहों की तलाश में होते हैं, जहां पर उनका प्यार और रोमांस दोगुनी खूबसूरती के साथ दिखे।

कौन सा सांप है बड़ा, टाइटनोबोआ या अनाकोंडा? और जानें

ऐसे में कपल के लिए लोकेशन का चुनाव सबसे बड़ा फैसला होता है। क्योंकि यह तय करता है कि आपकी तस्वीर में कितनी रॉयल्टी, रोमांस और कलेक्शन होगा। अगर आप भी अपनी लव स्टोरी को कैमरे में यादगार और रोमांटिक लम्हे के तौर पर कैप्चर

करना चाहते हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की सबसे बेहतरीन प्री-वेडिंग फोटोशूट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उदयपुर

राजस्थान का उदयपुर शहर रॉयल लव स्टोरी के लिए बेस्ट माना जाता है। यहां पर सिटी पैलेस, पिछोला और जग मंदिर के बीच कपल प्री वेडिंग शूट करा सकते हैं। यहां महलों की भव्यता और पारंपरिक राजस्थानी टच आपकी तस्वीरों के आकर्षण को बढ़ा सकती है। दिन के समय झील और शाम को रिफ्लेक्शन फोटो आइडिया को कपल अपना सकते हैं। मार्च से अक्तूबर के बीच उदयपुर प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

लेह-लद्दाख

लेह-लद्दाख में एडवेंचर और रोमांस के कॉम्बिनेशन के साथ प्री वेडिंग शूट कर सकते हैं। इसके लिए कपल लद्दाख के हेमिस जा सकते हैं। यहां पर एक प्रसिद्ध बौद्ध मठ और राष्ट्रीय उद्यान है। यहां का नीला आसमान, बर्फ से ढके पहाड़ और खुला मैदान आपकी तस्वीरों में खूबसूरत रंग भर देंगे। आपको ट्रेडिशनल शूट से लेकर बाइक राइड तक का मौका मिलता है। कपल्स के लिए यह डेस्टिनेशन आइडियल है। ऐसे में मई से सितंबर के बीच लद्दाख में प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए जा सकते हैं।

गुलमर्ग

बर्फबारी के बीच फेयरीटेल वाइब्स और रोमांस के लिए गुलमर्ग को प्री वेडिंग शूट कर सकते हैं। यहां का वाइट बैकग्राउंड के बीच लाल रंग की ड्रेस में क्लासिक फोटो क्लिक करा सकते हैं। प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए स्की रिसॉर्ट्स और केबल कार व्यू परफेक्ट ऑप्शन है। यहां पर आप बॉलीवुड फिल्मों जैसी तस्वीर और शॉट्स आसानी से क्लिक कर पाएंगे। यहां पर जाने के लिए दिसंबर से फरवरी तक का समय सबसे अच्छा है।

केरल

वहीं केरल में भी कपल बैकवॉटर में बोट लव थीम पर फोटोशूट करा सकते हैं। यहां कपल को हाउसबोट पर रोमांटिक पोज देने का मौका मिलेगा। वहीं नारियल के पेड़ों के बीच नैचुरल बैकग्राउंड में आपकी तस्वीर बेहतरीन इफेक्ट का काम करेगा। यहां पर प्री वेडिंग शूट क्लासिक और अलग बन जाएगा। केरल में आप अगस्त से मार्च तक कभी भी फोटोशूट के लिए पहुंच सकते हैं।

हम्पी

अगर आपको रस्टिक और कल्चरल थीम पसंद है, तो कर्नाटक का हम्पी शहर परफेक्ट जगह हो सकती है। यहां के खंडहर, प्राचीन मंदिर और रॉयल स्ट्रक्चर की वाइब्स कपल की कैमेस्ट्री और तस्वीरों की सुंदरता को बढ़ा सकती है। सिंपल कपड़ों में भी आपको एलिगेंस लुक मिल जाएगा। हम्पी आउटडोर प्री-वेडिंग के लिए नया ट्रेंड बन रहा है। हम्पी आने और प्री-वेडिंग शूट के लिए नवंबर से फरवरी का महीना बेस्ट टाइम हो सकता है।

विधानसभा सत्र के लिए लागू रूट डायवर्जन से हजरतगंज में भीषण जाम, एम्बुलेंस फंसी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में विधानसभा सत्र के लिए लागू रूट डायवर्जन पहले दिन ही फेल हो गया। शहर की प्रमुख सड़कों पर भीषण जाम लग गया। एम्बुलेंस भी जाम में फंस गई। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। सीएम आवास वाले चौराहे पर भी भीषण जाम है। विधानसभा सत्र को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विधानभवन और लोकभवन के आसपास के इलाकों में डायवर्जन प्लान लागू किया है। हजरतगंज की ओर जाने वाले रास्ते बंद कर दिए गए हैं। डायवर्जन के कारण वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक दबाव बढ़ गया। सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हजरतगंज स्थित नाजा मार्केट से नावेल्टी सिनेमा तक भीषण जाम लग गया।

शुरूआती दो दिनों में ही विश्वकप का पारा हाई खिताबी दावेदार उलटफेर से बचे

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के शुरूआती मुकाबलों में पाकिस्तान और इंग्लैंड जीत तो गए, लेकिन नीदरलैंड्स और नेपाल ने उन्हें कड़ी टक्कर देकर बड़े उलटफेर की चेतावनी दे दी। रोमांच ने पहले ही दिन टूनार्मेंट का स्तर तय कर दिया। इससे यह साफ हो गया कि इस विश्व कप में कोई मुकाबला आसान नहीं होगा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत जबरदस्त रोमांच के साथ हुई। इस टूनार्मेंट को इससे बेहतरीन शुरूआत नहीं मिल सकता था। तमाम ड्रामे और विवादों के बाद, अब जब यह टूनार्मेंट शुरू हुआ है तो इसने फैंस का रोमांच आसमान तक पहुंचा दिया है। सांसें अटका देने वाले मुकाबले और एसोसिएट देशों के प्रदर्शन ने आईसीसी के 20 टीमों को खिलाने के फैसले को सही साबित कर दिया। शुरूआती दो दिन में ही उलटफेर की आहट दिखी और कुछ बड़े नाम बाल-बाल बचे। नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान को कड़ी टक्कर दी और मैच आखिरी ओवर तक खिंच गया। 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 19.3 ओवर में सात विकेट खोकर जीत तो दर्ज कर ली, लेकिन उलटफेर का खतरा आखिर तक मंडराता रहा। वहीं, रविवार को नेपाल ने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के पसीने छुड़ा दिए। 184 रन के जवाब में नेपाल 180/6 तक पहुंच गया। इंग्लैंड चार रन से जीत गया, मगर मैच ने साफ कर दिया कि छोटे नाम अब बड़े झटके दे सकते हैं। एसोसिएट टीम ने दिखा दिया कि वह सिर्फ भाग लेने नहीं आई है। आइए जानते हैं... नीदरलैंड्स से हारते-

हारते बचा पाकिस्तान टी20 विश्वकप 2026 के पहले मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को तीन विकेट से हराया, लेकिन जीत हासिल करने में उसके पसीने छूट गए। टीम पहले ही मैच में उलटफेर से बच गई। कोलंबो में खेले गए इस मैच में 148 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में सात विकेट पर 119 रन बनाकर जूझ रही थी। उसे आखिरी दो ओवर में 29 रन की दरकार थी। हालांकि, 19वें ओवर ने पूरा मैच बदल दिया। 19वें ओवर में लोगन वान बीक गेंदबाजी के लिए आए और इस ओवर में पाकिस्तान के फहीम अशरफ और शाहीन अफरीदी ने 24 रन बटोरे। इस ओवर की पहली गेंद पर फहीम ने छक्का लगाया, लेकिन दूसरी ही गेंद पर मैक्स ओडॉड ने फहीम का आसान कैच छोड़ दिया। इसके बाद फहीम ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए अगली चार गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाया। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए पांच रन चाहिए थे और तीन गेंदों में पांच रन बना लिए। इस तरह पाकिस्तान ने 19.3 ओवर में सात विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 147 रन बनाए थे। नीदरलैंड ने जीता हुआ मैच गंवा दिया, वहीं पाकिस्तान की टीम जीत तो गई, लेकिन नीदरलैंड ने उनकी सांसें अटका दी थीं। नेपाल ने लगभग जीता हुआ मैच गंवाया सैम करन की कसी हुई गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने नेपाल को चार रन से हरा दिया, लेकिन नेपाल ने उसकी सांसें अटका दी थीं। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के पांचवें मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 184 रन बनाए। जवाब में नेपाल की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। हालांकि, नेपाल ने दिखा दिया कि वह पूरे दमखम के साथ इस टूनार्मेंट में उतरी है और आगे वेस्टइंडीज को बचकर रहना होगा। नेपाल की टीम वेस्टइंडीज को तीन मैचों की सीरीज में हरा भी चुका है। इसके बाद नेपाल को इटली और स्कॉटलैंड से भिड़ना है। ऐसे में नेपाल की टीम सुपर-8 का सपना निश्चित तौर पर देख सकता है। नेपाल को आखिरी 12 गेंद में 23 रन की जरूरत थी और उसके पांच विकेट शेष थे। लोकेश बाम और गुलशन झा क्रीज पर थे। 19वें ओवर में नेपाल ने 14 रन बटोरे और गुलशन का विकेट गंवाया। आखिरी छह गेंद में नेपाल को 10 रन की दरकार थी और सैम करन गेंदबाजी करने आए। लोकेश बाम के रूप में नेपाल के पास एकमात्र बिग हिटर था और वह 15 गेंद में 35 रन बनाकर क्रीज पर थे। आमतौर पर छह गेंद में 10 रन चाहिए हो तो फैंस सोचते हैं कि बल्लेबाजी टीम आसानी से जीत जाएगी, लेकिन यहीं अनुभवी इंग्लैंड ने नब्ज पर काबू पाते हुए जीत दर्ज की। करन ने छह गेंद में केवल पांच रन दिए और इंग्लैंड ने जीत हासिल की। आखिरी गेंद पर नेपाल को छह रन चाहिए थे और करन ने बेहतरीन यॉर्कर से मैच खत्म किया। उलटफेर से टूनार्मेंट का रोमांच होगा दोगुना अभी टूनार्मेंट ने बस करवट लेना शुरू ही किया है। महज छह मुकाबले हुए हैं, लेकिन जिस तरह का रोमांच, करीबी फिनिश और दिग्गज टीमों की घबराहट देखने को मिली है, उसने आगे आने वाले मैचों के लिए उत्सुकता कई गुना बढ़ा दी है। हर दिन यह साफ होता जा रहा है कि टी20 फॉर्मेट में नाम या रैंकिंग से ज्यादा मायने उस दिन का प्रदर्शन रखता है। ग्रुप स्टेज के अभी 34 मैच बाकी हैं और पिच, हालात और दबाव के साथ तस्वीर तेजी से बदल सकती है। ऐसे माहौल में अगर कोई एसोसिएट टीम लय पकड़ ले, आत्मविश्वास के साथ बड़े मुकाबलों में उतर जाए और सुपर-8 की दौड़ में किसी दिग्गज को पीछे छोड़ दे, तो इसे बड़ा चमत्कार नहीं बल्कि इस विश्व कप की पहचान माना जाएगा।

ओमान की खराब शुरूआत, गंवाए चार विकेट; मुजरबानी-नगारवा को मिली सफलता

कोलंबो। जिम्बाब्वे और ओमान के बीच टी20 विश्व कप के ग्रुप बी का मुकाबला खेला जा रहा है। यह मैच कोलंबो के एसएससी क्लब में हो रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। जिम्बाब्वे और ओमान के बीच टी20 विश्व कप के ग्रुप बी का मुकाबला खेला जा रहा है। जिम्बाब्वे ने इस मैच में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। ओमान

की बल्लेबाजी जारी है। ओमान की ओर से फिलहाल करन सोनावले और आमिर कलीम क्रीज पर मौजूद हैं। ओमान की खराब शुरूआत पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान की शुरूआत अच्छी नहीं रही है और जिम्बाब्वे ने उसे शुरूआती झटके दिए। मुजरबानी ने सबसे पहले कप्तान जतिंदर सिंह को बोल्ड किया जो पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नगारवा ने हमाद मिर्जा को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। मुजरबानी ने फिर शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए आमिर कलीम को पांच रन और करन को खाता खोले बिना आउट किया। दोनों टीमों की प्लेइंग-11: जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, तादिवनाशे मारुमनी, डियोन मायर्स, ब्रेंडन टेलर (विकेटकीपर), सिकंदर रजा (कप्तान), रेयान बर्ल, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकद्जा, रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी।

जिस बांग्लादेश के दम पर अकड़ दिखा रहा था पीसीबी, उसने ही बहिष्कार खत्म करने की मांग की

नई दिल्ली। पाकिस्तान की एक बार फिर बेइज्जती हो गई है और अब तो खुद बांग्लादेश ने ही उसकी लुटिया डुबो दी है। बताया जा रहा है कि बीसीबी ने ही पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच

का बहिष्कार नहीं करने कहा है।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पाकिस्तान को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलने के फैसला बदलने के लिए कहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिलकर अपना फैसला वापस लेने की मांग कर सकते हैं।

विश्वकप के डेब्यू मुकाबले में इटली को लगा तगड़ा झटका, कप्तान वेन मैडसन के कंधे में लगी गंभीर चोट

कोलकाता। टी20 विश्व कप 2026 में डेब्यू कर रही इटली को तगड़ा झटका लगा। कप्तान वेन मैडसन के कंधे में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच से बाहर होना पड़ा। टी20 विश्व कप 2026 में डेब्यू कर रही इटली को तगड़ा झटका लगा। कप्तान वेन मैडसन के कंधे में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच से बाहर होना पड़ा। बता दें कि, सोमवार को इटली का सामना ग्रुप सी के मुकाबले में स्कॉटलैंड से हुआ। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेन्स में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 207 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 134 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

पाकिस्तान यू-टर्न लेगा या जिद पर रहेगा, कब होगा फैसला

नई दिल्ली । आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा रविवार को लाहौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के साथ बैठक की। यह बैठक भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले को लेकर हुई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा रविवार को लाहौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के साथ बैठक की। इस बैठक में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले को लेकर चर्चा हुई। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान सरकार से मंजूरी मिलने के बाद दोनों पक्ष बैठक के नतीजे का एलान करेंगे। ाकिस्तान की सरकार ने हाल ही में इस बात का एलान किया था कि उनकी टीम टी20 विश्व कप 2026 में खेलने के लिए कोलंबो जाएगी, लेकिन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मुकाबले का बहिष्कार करेगी। हालांकि, इस बात की जानकारी आईसीसी को पीसीबी की तरफ से नहीं दी गई, जिस पर खेल की वैश्विक संस्था ने बोर्ड से जवाब मांगा। शनिवार को खबर आई थी कि पीसीबी ने इस पूरे मामले को लेकर आईसीसी से संपर्क किया है और उसकी कार्रवाई से बचने के लिए फोर्स मेज्योर का सहारा लेने की कोशिश की। वहीं, क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने भी पाकिस्तान से यह स्पष्ट करने को कहा कि मैच नहीं खेलने को सही ठहराने के लिए फोर्स मेज्योर के प्रावधान को कैसे लागू किया जा सकता है। फोर्स मेज्योर एक कानूनी प्रावधान है, जो किसी पक्ष को असाधारण परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों से हटने की छूट देता है। इसमें युद्ध, प्राकृतिक आपदा, सरकारी आदेश या सार्वजनिक आपातकाल जैसी स्थितियां शामिल होती हैं। इसका इस्तेमाल तभी मान्य होता है जब प्रभावित पक्ष साबित करे कि घटना अनपेक्षित, अपरिहार्य थी और उसने सभी संभव प्रयास किए ताकि नुकसान को कम किया जा सके। इसके लिए सिर्फ असुविधा या राजनीतिक पसंद पर्याप्त नहीं होती।

सूर्यकुमार की कप्तानी पर क्या बोले कोच गंभीर

नई दिल्ली। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।' गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान

कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।' उन्होंने कहा, 'कोच के तौर पर कभी-कभी आपके दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं, लेकिन जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।' भारत ने सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी के बूते शनिवार को विश्व कप के अपने शुरूआती मैच में अमेरिका को हराया। भारतीय कप्तान ने एक छोर से विकेटों के पतझड़ के बीच 49 गेंदों में नाबाद 84 रन के साथ पारी को संभाला था। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को अब दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ खेलेगी। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर उन्होंने हर कसौटी पर खरा उतरकर मेरी जिंदगी बहुत आसान बना दी है। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही निर्णय लेते हैं।' 35 साल के सूर्यकुमार यादव दो साल पहले रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। रोहित के इस प्रारूप से संन्यास के बाद उन्हें टीम की कमान सौंपी गयी।

संसद में गूंजी भारतीय अंडर-19 टीम की जीत लोकसभा-राज्यसभा में चैंपियंस को दी गई बधाई

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम की छठी विश्व कप जीत पर संसद में सराहना हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की तारीफ करते हुए इसे देश के युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा बताया। भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने छठी बार विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया, और

इस शानदार उपलब्धि की गूंज संसद तक पहुंची। लोकसभा और राज्यसभा में युवा खिलाड़ियों की जमकर सराहना की गई। यह जीत सिर्फ क्रिकेट का आंकड़ा नहीं, बल्कि देश के युवाओं के लिए प्रेरणा की मिसाल बन गई है। छह फरवरी 2026 को जिम्बाब्वे के हरारे में खेले गए फाइनल में भारत ने ट्रॉफी अपने नाम की। यह रिकॉर्ड छठा मौका है जब भारतीय जूनियर टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता। इस सफलता ने भारत की मजबूत क्रिकेट प्रणाली और युवा प्रतिभा की गहराई को एक बार फिर साबित कर दिया। ओम बिरला ने दी बधाई लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में टीम की उपलब्धि का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'माननीय सदस्यों, मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने 6 फरवरी 2026 को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीता है। हमने छठी बार ट्रॉफी जीतकर अद्भुत उपलब्धि हासिल की है। हमारे युवा खिलाड़ियों ने अपनी असाधारण प्रतिभा, कौशल, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और समर्पण से हर चुनौती को पार कर सफलता पाई है।' युवाओं के लिए बनेगी प्रेरणा ओम बिरला ने आगे कहा, 'यह जीत निश्चित रूप से अन्य खिलाड़ियों और देश के करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेगी। सदन की ओर से और अपनी ओर से मैं अंडर-19 टीम, उनके कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल को धन्यवाद देता हूं। इस विशेष उपलब्धि पर बधाई। हम इस युवा टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे आगे भी देश का नाम इसी तरह रोशन करेंगे।' फाइनल में भारत का दबदबा हरारे में खेले गए फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक ने टीम की जीत की नींव रखी। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 53 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू ने 40 रन का अहम योगदान दिया। भारत ने 411/9 का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में इंग्लैंड की शुरूआत अच्छी रही, लेकिन मिडिल ऑर्डर बिखर गया। कालेब फाल्कनर के 115 रन भी टीम को हार से नहीं बचा सके। इंग्लिश टीम 311 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ भारत के पास अंडर-19 पुरुष और महिला, दोनों विश्व कप ट्रॉफियां हैं। यह भारतीय क्रिकेट सिस्टम की मजबूती का बड़ा संकेत माना जा रहा है। भारत ने निकी प्रसाद के नेतृत्व में अंडर-19 टी20 विश्वकप 2025 का खिताब जीता था। तब भारत ने फाइनल में द. अफ्रीका को हराया था। पूरे देश में जश्न का माहौल टीम की जीत के बाद देशभर में खुशी की लहर है। पूर्व क्रिकेटरों से लेकर फैंस तक हर कोई इन उभरते सितारों की तारीफ कर रहा है। माना जा रहा है कि इस टीम के कई खिलाड़ी भविष्य में सीनियर स्तर पर भारत की पहचान बनेंगे। चैंपियंस पर पैसों की बारिश अंडर-19 विश्व कप खिताब जीतने वाली भारतीय टीम पर बीसीसीआई ने इनामों की बारिश कर दी है। बोर्ड ने खिलाड़ियों, तकनीकी स्टाफ और चयन समिति के लिए कुल 7.5 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि घोषित की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जानकारी देते हुए कहा, 'जिम्बाब्वे और नामीबिया में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को 7.5 करोड़ रुपये का कैश अवॉर्ड दिया जाएगा। खिलाड़ियों, तकनीकी स्टाफ और चयन समिति के बीच राशि के बंटवारे पर काम चल रहा है, लेकिन कुल इनाम 7.5 करोड़ रुपये ही होगा।

बहिष्कार की हवा निकली! पाकिस्तान की नई चाल, भारत से खेलने के लिए अब शर्तों की ढाल लेकर आया

दुबई । रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान भारत से खेलने के लिए तैयार है, लेकिन उसने आईसीसी के सामने रेवेन्यू शेयर, द्विपक्षीय सीरीज और प्रोटोकॉल से जुड़ी तीन शर्तें रखी हैं। लाहौर में हुई बैठक के बाद अब फैसले का इंतजार है। भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर छाया सस्पेंस अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। जिस मैच को लेकर बहिष्कार की बात सामने आई थी, उसी पर अब यू-टर्न की खबरें आ रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारत के खिलाफ खेलने को तैयार है, लेकिन उसने आईसीसी के सामने तीन अहम शर्तें रख दी हैं। लाहौर में रविवार, 8 फरवरी को पीसीबी और आईसीसी के बीच हाई-लेवल बैठक हुई। यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब ग्रुप स्टेज में दोनों टीमों की भिड़ंत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। आईसीसी चाहता है कि दुनिया के सबसे हाई-वोल्टेज और कमाई वाले मुकाबले पर किसी तरह का खतरा न रहे। इन मांगों ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ एक मैच का नहीं, बल्कि लंबे समय के रिश्तों और आर्थिक हिस्सेदारी का भी है। हालांकि, पाकिस्तान की इन मांगों का कोई मतलब नहीं बनता, क्योंकि भारत लंबे समय से पाकिस्तान से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलता। जहां तक आईसीसी रेवेन्यू में बड़े हिस्से की बात है तो यह तभी संभव है जब आप आईसीसी को उतना रेवेन्यू जनरेट करके दें। भारत क्रिकेट का बड़ा मार्केट है। पाकिस्तान क्रिकेट के बिग थ्री में भी नहीं आता है। पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक रूप से एलान किया कि टीम भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, भले ही मैच न्यूट्रल

वेन्यू पर क्यों न हो। सरकार ने इसके पीछे स्पष्ट वजह नहीं बताई।क्रिकेट जगत में यह माना गया कि पाकिस्तान का रुख बांग्लादेश के समर्थन में है, जिसने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया। बातचीत की कोशिशें तेज तनाव बढ़ने के बाद आईसीसी ने तुरंत पहल की। लाहौर में हुई बैठक में पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, आईसीसी डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल मौजूद रहे। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता वर्चुअली जुड़े। क्रिकबज के मुताबिक, बांग्लादेश भी आईसीसी से मुआवजे की मांग कर सकता है, और इस समझौते को आगे बढ़ाने में पाकिस्तान की भूमिका अहम हो सकती है। फैसला किस दिशा में? अब सबकी नजर इस बात पर है कि आईसीसी इन शर्तों पर क्या रुख अपनाता है। अगर कोई रास्ता निकलता है तो क्रिकेट फैंस को राहत मिलेगी, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच सिर्फ खेल नहीं, बल्कि वैश्विक इवेंट है।

टी20 विश्वकप डेब्यू मैच में हारी इटली की टीम, स्कॉटलैंड ने 73 रन से हासिल की जीत

कोलकाता । नमस्कार! टी20 विश्वकप 2026 में आज इटली का सामना स्कॉटलैंड से है। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेला जा रहा है। यह इटली का पहला टी20 विश्वकप मैच है। इटली ने अपने विश्व कप डेब्यू मैच में टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में ग्रुप-सी के मुकाबले में डेब्यू कर रही इटली ने कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डेन्स में टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 207 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। टी20 अंतरराष्ट्रीय में स्कॉटलैंड और इटली

की टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं और हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 का है। खास बात यह है कि ये तीनों मुकाबले आईसीसी इवेंट्स में हुए हैं। इटली को पारी की पहली ही गेंद पर झटका लगा। स्पिनर लीस्क की गेंद पर जस्टिन मोस्का कैच आउट हो गए। इसके बाद जेजे स्मट्स और एंथनी मोस्का के बीच दूसरे विकेट के लिए 18 गेंद मं 32 रन की साझेदारी हुई। एंथनी 12 गेंद में 13 रन और स्मट्स 11 गेंद में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हैरी मेनेंटी और बेन मेनेंटी ने चौथे विकेट के लिए 45 गेंद में 73 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इस साझेदारी के टूटते ही इटली की पारी लुढ़क गई। हैरी 25 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बेन 31 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। ग्रांट स्टीवार्ट दो रन, क्रिशन कलुगमागे तीन रन, थॉमस ड्राका दो रन बनाकर आउट हुए। वहीं, जियान मीड, अली हसन खाता नहीं खोल सके। कप्तान बेन मैडसन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, क्योंकि फील्डिंग करते वक्त उन्हें चोट लगी थी। ऐसे में इटली की टीम 134 रन पर खत्म हो गई। स्कॉटलैंड की ओर से माइकल लीस्क ने चार विकेट लिए, जबकि मार्क वाट को दो विकेट मिले। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलीवर डेविडसन को एक-एक विकेट मिला।

मनोरंजन

सपा सदस्यों ने यूपी विधानसभा परिसर में किया विरोध प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी

लखनऊ,(संवाददाता)।उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों ने राज्य सरकार की कथित जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ सोमवार को विधानसभा परिसर में प्रदर्शन किया। सपा विधायकों ने हाथों में तख्तियां लेकर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समुदाय के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है। रानी अहिल्याबाई होल्कर का पोस्टर थामे पार्टी विधायक सचिन यादव ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर ध्वस्तीकरण का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि सरकार ने होल्कर का अपमान किया, जिन्होंने करीब 300 साल पहले घाटों का विकास कराया था। यूपी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार को सुबह 11 बजे विधानसभा पहुंचीं। विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल का स्वागत किया। इसके बाद सदन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए अपना अभिभाषण शुरू कर दिया है। हालांकि अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों ने लगातार हंगामा किया। शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच भी राज्यपाल ने अपना अभिभाषण पढ़ना जारी रखा।

बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहते, तृप्ति डिमरी ने बताया शाहिद के साथ काम करने का अनुभव

ओ रोमियो को लेकर सुर्खियों में बनीं तृप्ति डिमरी ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। जानिए शाहिद कपूर को लेकर क्या बोलीं अभिनेत्री

नेशनल क्रश का तमगा पा चुकीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओ रोमियो को लेकर चचाओं में हैं। फिल्म में तृप्ति शाहिद कपूर के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस मल्टीस्टारर फिल्म में वह अफशा का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में तृप्ति ने अमर उजाला से खास बात की। इस दौरान उन्होंने इस फिल्म और शाहिद कपूर के साथ काम करने के अनुभव समेत कई मामलों पर खुलकर बात की।

हर मुश्किल किरदार आगे बढ़ाता है

ओ रोमियो में अपने किरदार को लेकर तृप्ति ने कहा, जब यह फिल्म मुझे ऑफर हुई तो मैं बहुत खुश थी। यह एक चुनौतीपूर्ण किरदार था। ऐसे किरदार मुझे आकर्षित करते हैं। मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं होती हैं वो ही एक अभिनेता को आगे बढ़ने का मौका देती हैं। फिर यह फिल्म भी विशाल भारद्वाज की थी, इसलिए मना करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। जीवन में कभी सोचा नहीं था कि नाना पाटेकर और फरीदा जलाल जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिलेगा। कुल मिलाकर इस फिल्म ने अभिनेता के रूप में मुझे और भी मजबूत बना दिया।

किरदार के लिए किए वर्कशॉप

फिल्म से जुड़े अपने अनुभव और किरदार के लिए मेहनत के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म के लिए मैंने काफी वर्कशॉप की थीं। हमने अफशा के किरदार को अच्छे से समझने की कोशिश की। विशाल सर भी हमारी वर्कशॉप में शामिल होते थे। खासकर इस लड़की के मन को समझने पर सबसे ज्यादा चर्चा होती थी। मुझे लगता है कि यह सारी बातचीत और तैयारी मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित हुई। जब आपके पास अपने किरदार की पूरी बैकग्राउंड और उसकी आंतरिक दुनिया साफ होती है, तो उसे कैमरे पर निभाना बहुत स्वाभाविक लगता है।

शाहिद जैसे को-स्टार हर सीन आसान बना देते हैं

शाहिद कपूर को लेकर तृप्ति का कहना है कि उनके साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह बहुत ही मददगार हैं। शुरूआत में मैं थोड़ा शांत रहती थी। किरदार की भी यही जरूरत थी और मैं हूं भी थोड़े शांत स्वभाव की। सेट पर पहला दिन ही मेरे लिए काफी मुश्किल था। हमें एक इमोशनल सीन करना था। मैं अपने जोन में थी और उनसे एक बार भी बात तक नहीं की थी। हालांकि, मन ही मन मुझे लग रहा था कि पता नहीं वो मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? लेकिन शाहिद ने यह बात तुरंत समझ ली। उन्हें महसूस हो गया कि मैं बस सीन पर फोकस कर रही हूं। यह उनकी बहुत खूबसूरत बात है।

सेट पर शाहिद पहले दिन से ही बहुत मददगार रहे। कई बार सीन करते समय बहुत घबराहट होती थी। प्रेशर लगता था पर वो बिना कुछ कहे समझ जाते थे और माहौल हल्का कर देते थे। मैंने शाहिद की लगभग सारी फिल्में देखी हैं। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी। जब मुझे यह मौका मिला, तो मैं सच में बहुत खुश थी। ऐसा लगा जैसे मेरी एक पुरानी इच्छा पूरी हो गई हो। यह मेरे लिए एक तरह का फैन मोमेंट था।

रिलीज वाले दिन दिमाग में बहुत कुछ चलता है

फिल्म की रिलीज वाले दिन होने वाली घबराहट को लेकर अभिनेत्री का मानना है कि जिस दिन मेरी कोई फिल्म या प्रोजेक्ट रिलीज होता है, उस दिन दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होता है। मैं यह नहीं कहूंगी कि मुझे फर्क नहीं पड़ता। मुझे बहुत फर्क पड़ता है। आप चाहे जितनी कोशिश कर लो कि टेंशन न लो, लेकिन टेंशन आ ही जाती है। ऐसे वक्त में मैं अपने दोस्तों के साथ रहना ज्यादा पसंद करती हूं। वे बहुत ईमानदार हैं। अगर मैं कुछ गलत कर दूं, तो सीधे बोल देते हैं। और अगर कुछ अच्छा कर दूं, तो ज्यादा तारीफ भी नहीं करते।

खुल गया राज, इसलिए रिटायरमेंट के बाद अरिजीत से मिलने उनके घर गए थे आमिर

आमिर खान कुछ दिन पहले अरिजीत सिंह के घर पहुंचे थे। तब ऐसी चचाएं थीं कि आमिर उन्हें प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाने गए हैं। लेकिन अब आमिर के अरिजीत के घर पहुंचने की असल वजह सामने आई है। जानिए क्या है वजह और क्यों आमिर ने अरिजीत को बोला थैंक्यू

अरिजीत सिंह के पिछले महीने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट के बाद हर कोई उनके इस फैसले पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। इस बीच बीते दिनों अभिनेता आमिर खान की अरिजीत के घर से कई तस्वीरें सामने आई थीं, जो काफी चचाओं में भी रही

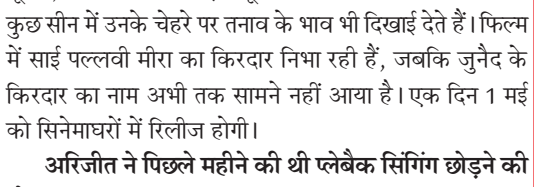

थीं। अब इन तस्वीरों के पीछे की वजह सामने आ गई है। ये पता चल गया है कि आमिर क्यों अरिजीत सिंह के घर गए थे? साथ ही आमिर ने अब अरिजीत का शुक्रिया भी अदा किया है।

फिल्म एक दिन में गाना गाने के लिए आमिर ने अरिजीत को कहा थैंक्यू

आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की ओर से इंस्टाग्राम पर अरिजीत सिंह के साथ आमिर खान की एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में अरिजीत गिटार लिए बैठे हैं और आमिर खान से गहन चर्चा कर रहे हैं। आमिर उन्हें फोन पर कुछ दिखा रहे हैं। इस तस्वीर पर आमिर खान का अरिजीत के लिए एक मैसेज भी है, जिसमें उन्होंने सिंगर का शुक्रिया अदा किया है। आमिर की ओर से लिखा गया, हमारी फिल्म 'एक दिन' में अपनी आवाज देने के लिए अरिजीत आपका धन्यवाद। आपके, आपके परिवार और आपकी टीम के साथ बिताए चार दिन जादुई थे। ढेर सारा प्यार। आमिर के इस संदेश से साफ है कि उनके बेटे जुनैद खान की आगामी फिल्म एक दिन में अरिजीत सिंह की आवाज सुनाई देगी। साथ ही ये भी स्पष्ट हो गया कि आमिर क्यों अरिजीत के घर पहुंचे थे।

1 मई को रिलीज होगी जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म

एक दिन फिल्म में आमिर खान के बेटे जुनैद खान और साउथ स्टार साई पल्लवी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में जारी हुए फिल्म के टीजर में यह जोड़ी डेट पर जाती, पहाड़ी इलाकों में घूमती, बर्फीले मौसम में एक-दूसरे को गले लगाती नजर आती है। कुछ सीन में उनके चेहरे पर तनाव के भाव भी दिखाई देते हैं। फिल्म में साई पल्लवी मीरा का किरदार निभा रही हैं, जबकि जुनैद के किरदार का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। एक दिन 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अरिजीत ने पिछले महीने की थी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की घोषणा

अरिजीत ने पिछले महीने की 27 तारीख को प्लेबैक सिंगिंग से अपने रिटायरमेंट की घोषणा की थी। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट में उन्होंने लिखा था, नमस्कार। आप सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं। श्रोताओं के रूप में इन सभी वर्षों में मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब प्लेबैक सिंगर के रूप में कोई नया प्रोजेक्ट नहीं लूंगा। मैं इस क्षेत्र को अलविदा कह रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया था कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे।

मासूम ने लगभग खत्म कर दिया था करियर, क्या 42 साल बाद फिल्म का सीक्वल बनाने जा रहे शेखर कपूर?

आज मासूम फिल्म को लोग एक कल्ट क्लासिक मानते हैं। लेकिन जब यह 1983 में रिलीज हुई थी, तो इसकी ओपनिंग बहुत खराब रही थी। अब निर्देशक शेखर कपूर ने फिल्म से जुड़ी यादें साझा कीं। साथ ही उन्होंने फिल्म के सीक्वल को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। जानिए शेखर कपूर ने क्या कुछ कहा

मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी कल्ट फिल्में बनाने वाले निर्देशिक शेखर कपूर ने अपनी फिल्म मासूम को लेकर एक पोस्ट साझा की। सोमवार को निर्देशक ने सोशल मीडिया पर मासूम के शुरूआती दिनों की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि रिलीज के

पहले दिन वे खुद थिएटर गए थे। वहां का नजारा देखकर उनका दिल टूट गया था। कल्ट क्लासिक फिल्म मासूम के बारे में उनकी इस राय ने सबको चौंका दिया है।

पहले दिन पूरे सिनेमा हॉल में थे सिर्फ दो लोग

शेखर कपूर ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, रिलीज के पहले दिन पूरे सिनेमा हॉल में सिर्फ दो लोग थे, जिनमें से एक मैं खुद था। उस दौर में टिकटों की ब्लैक मार्केटिंग आम बात थी। कुछ लोग टिकट थोक में खरीदकर महंगे दामों पर बेचते थे। लेकिन मासूम के पहले दिन हालात इतने खराब थे कि ब्लैक मार्केट वालों को भी नुकसान हो गया। इसी बीच थिएटर के बाहर किसी ने मुझसे कहा, सर, आपने आर्टिकल फिल्म बना दी है। अगर करियर बनाना है, तो ऐसी फिल्में मत बनाइए। हालांकि, बाद में समझ आया कि वो आर्टिस्टिक फिल्म कहना चाह रहा था।

मुझे लगा फिल्में बनाना मेरे लिए नहीं है

निर्देशक ने आगे लिखा, उस जमाने में ऐसी फिल्मों को फ्लॉप मान लिया जाता था। लगभग एक हफ्ते तक हालात नहीं बदले। शुक्रवार से लेकर बुधवार तक थिएटर खाली रहे। आखिरकार डिस्ट्रीब्यूटर्स ने फिल्म को थिएटर से हटाने का फैसला कर लिया। जिस दिन उन्होंने कहा कि अब फिल्म को थिएटर में नहीं लगाए रख सकते। उस दिन मैं मुंबई की सड़कों पर घूमता रहा। मुझे लगा कि फिल्में बनाना मेरे लिए नहीं है।

द केरल स्टोरी 2- गोज बियॉन्ड का पहला गाना हुआ रिलीज, इस तारीख को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म द केरल स्टोरी 2 - गोज बियॉन्ड का इमोशनल गाना ओ माई री रिलीज हो गया है। इस गाने में श्रेया घोषाल ने अपनी खूबसूरत आवाज दी है, जिसने इसे और भी इमोशनल बना दिया है।

पहले पार्ट द केरल स्टोरी ने अपनी बेबाक कहानी से देशभर में बहस छेड़ दी थी। अब इसका सीक्वल उससे भी ज्यादा इंटेंस नजर आ रहा है। हाल ही में इस फिल्म का पहला गाना ओ माई री रिलीज किया गया है।

मां और बच्चे का रिश्ता बयां करता है गाना

ओ माई री गाना मां और बच्चे के रिश्ते को समर्पित है। यह गाना मां के उस निःस्वार्थ प्यार, सुरक्षा और अपनेपन को महसूस कराता है, जो हर बच्चे के लिए सबसे बड़ा कवच होता है। मन्नन शाह का सोलफुल म्यूजिक और मनोज मुंतशिर के इमोशनल लिरिक्स इस गाने को और भी खास बना देते हैं।

क्या है मूवी की कहानी?

फिल्म का टीजर पहले पार्ट से कहीं ज्यादा शार्प और इंटेंस नजर आ रहा है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुके निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह की यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की कहानी दिखाती है। इन किरदारों को उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया ने निभाया है।

कहानी तब और डार्क मोड़ पर पहुंचती है, जब ये तीनों लड़कियां दूसरे धर्म के युवकों के साथ रिलेशनशिप में आती हैं। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक डरावनी सच्चाई में बदल जाती है, जहां धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दे सामने आते हैं।

क्या पति अपूर्व पडगांवकर से अलग रहती हैं दिव्या अग्रवाल? शो में भाव्या सिंह ने किए चौंकाने वाले खुलासे

रियलिटी शो द 50 में एंटरटेनमेंट से ज्यादा लड़ाई-झगड़े देखने को मिल रही हैं। अब भाव्या सिंह ने दिव्या अग्रवाल और अपूर्व पडगांवकर से जुड़े कई खुलासे किए हैं, जिन्हें सुनकर सब हैरान रह गए। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा

रियलिटी शो द 50 में अलग-अलग फील्ड से जुड़े 50 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं। बिग बॉस की ही तरह इसमें भी कंटेस्टेंट्स के बीच नोक-झोंक और लड़ाई देखने को मिल रही है। अब भाव्या सिंह ने दिव्या अग्रवाल और उनके पारिवारिक विवादों पर बड़ा बयान दिया है, जो चचाओं का विषय बन गया है।

क्यों हुई लड़ाई ?

दरअसल, बैल और बुद्धि टास्क के दौरान दिव्या की अर्चना से लड़ाई हो जाती है। जिसके बाद दिव्या कहती हैं कि, अर्चना के पास दिमाग ही नहीं है। उनका यह बयान भाव्या को पसंद नहीं आया, क्योंकि अर्चना उनकी अच्छी दोस्त है। इसके बाद उन्होंने दिव्या को सबक सिखाने का निर्णय लिया। थोड़ी देर बाद, जब दिव्या वाशरूम में रो रहीं थीं, तब भाव्या ने उन्हें रुमाल देने से भी इंकार कर दिया।

दिव्या बहुत नकली औरत है- भाव्या

कुछ देर बाद, सपना चौधरी और आर्या से बात करते हुए भाव्या ने दिव्या के निजी जीवन के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने कहा, दिव्या बहुत नकली औरत है। इसलिए लोग उसे गोल्ड डिगर कहते हैं'। दूसरी बात, मैंने उससे एक पॉडकास्ट में पूछा था, ये रिकॉर्ड में भी है, तुम जाकर देख सकते हो कि क्या वो दोबारा कोई रियलिटी शो करेगी? तब उसने कहा, नहीं, मैं नहीं करूंगी, मैं बिग बॉस जीत चुकी हूं। तुमने (दिव्या) जिंदगी में किया ही क्या है? बस पीआर करवा लिया, पैपराजी बुलवा ली, ताकि कभी-कभार दिख जाओ। तुमने जिंदगी में कुछ नहीं किया है। दिव्या सबके साथ नकली बनकर रहती है। और, अब वो सबके साथ बैठकर उनकी बुराई करेगी।

दिव्या अलग रहती है अपने पति से- भाव्या

इसके बाद भाव्या ने दिव्या के निजी जीवन को लेकर चौंकाने वाली बातें कही। उन्होंने कहा, दिवाली पर असली पटाखे तो इसके घर फूटे थे और मैंने फोड़े थे। आज तक मैंने कभी बोला नहीं वो, ना ही पोडकास्ट पर, ना ही कहीं और। कभी बोलूंगी भी नहीं, क्योंकि इनका खुद का आपसी पारिवारिक मामला था। उसमें मुझे खसीट दिया इन लोगों ने। भीख मांगते हैं लोगों से मुंबई में कि मेरे घर आ जाओ। आप मेरे पास आ जाओ, प्लीज मिलो मुझसे। अलग रहती है अपने पति से।

करण जौहर ने की संघ प्रमुख की तारीफ; कंगना ने भी मोहन भागवत के समर्थन में की सावरकर को भारत रत्न देने की मांग

करण जौहर ने आरएसएस के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत की जमकर तारीफ की।जानिए मोहन भागवत की किस चीज से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए करणङ्घ

बॉलीवुड के दिग्गज निमार्ता-निर्देशक करण जौहर हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम संगठन के 100 साल पूरे होने का प्रतीक है। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद करण जौहर ने संघ प्रमुख मोहन भागवत की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक प्रभावशाली वक्ता बताया। साथ ही उनके सेंस ऑफ्मूर की भी तारीफ की। वहीं दूसरी ओर कंगना रनौत ने मोहन भागवत का समर्थन करते हुए वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की है।

हर साल होना चाहिए ऐसा आयोजन

कार्यक्रम में शामिल होने के बाद

मीडिया से बात करते हुए करण जौहर ने कहा कि आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ पर यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं मोहन भगवत को उनके शब्दों, विचारों और प्रेरणा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने हमें अपना समय दिया। इंडस्ट्री से कई लोग यहां आए थे। उनके शब्दों ने मुझे भावुक कर दिया। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि उनका सेंस ऑफ्मूर कमाल का है। उनके विचार लाजवाब हैं। उनके सेंस ऑफ्मूर ने हमारा खूब मनोरंजन किया। हम सब खूब हंसे और तालियां बजाईं। हम इस आयोजन के लिए बहुत आभारी हैं। हम चाहते हैं कि ऐसा आयोजन हर साल हो।

सावरकर भारत रत्न से कहीं ऊपर हैं: कंगना

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के वीर सावरकर पर दिए गए बयान का समर्थन किया है। कंगना ने कहा, हर भारतीय की वही भावना है जो मोहन भगवत ने व्यक्त की है। वो भारत रत्न से कहीं ऊपर हैं, लेकिन अगर उन्हें यह पुरस्कार मिलता है, तो यह देश के हर नागरिक के लिए गर्व की बात होगी। इससे पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने वीर सावरकर को भारत रत्न प्रदान करने में हो रही देरी पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अगर सावरकर को भारत रत्न दिया जाता है, तो इस सम्मान की प्रतिष्ठा और बढ़ जाएगी।

सलमा-अक्षय समेत शामिल हुए कई फिल्मी सितारे

मुंबई में आयोजित हुए आरएसएस के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में सलमान खान समेत फिल्म जगत की कई दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं। इनमें रणबीर कपूर, फिल्म निमार्ता मोहित सूरी, सुभाष घई, नितेश तिवारी, ओम राउत और गीतकार प्रसून जोशी पहले दिन शामिल रहे। जबकि दूसरे दिन करण जौहर के साथ अक्षय कुमार, विक्की कौशल, अनन्या पांडे, रवीना टंडन, शिल्पा शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रूपाली गांगुली और विनीत कुमार सिंह के साथ-साथ फिल्म निमार्ता मधुर भंडारकर, महेश मांजरेकर, आनंद एल राय और अमर कौशिक सरीखे सितारे मौजूद रहे। कार्यक्रम की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिनमें हस्तियां दर्शकों के बीच बैठी नजर आ रही हैं।

नई फिल्म पर काम कर रहे करण

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण जौहर इन दिनों अपनी नई फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। वो इस फिल्म का निर्देशन भी करेंगे। करण ने आखिरी बार रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन किया था। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

गैंगस्टर रवि काना मामले में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर जांच में दोषी, एसआईटी भी कसेगी शिकंजा

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की बांदा जिला जेल से कुख्यात स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रविन्द्र सिंह (रवि काना) की संदिग्ध रिहाई मामले में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर दोषी पाए गए हैं। विभागीय जांच में जेल अधीक्षक समेत तीन अधिकारियों की मिली भगत विभाग पाई गई है। दरअसल, बांदा जिला जेल में बंद कुख्यात स्क्रैप माफिया व गैंगस्टर रविन्द्र सिंह (रवि काना) की रिहाई पर सवाल उठ रहे थे। इसके बाद जब मामले ने तूल पकड़ा तो जेल चौकी प्रभारी की शिकायत पर कोतवाली नगर थाने में जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 260 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। यह धारा आरोपी की हिरासत में जानबूझकर की गई लापरवाही से संबंधित है। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की। विभागीय जांच का जिम्मा प्रयागराज रेंज के डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव को सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट में जेल अधीक्षक समेत तीन अफसर दोषी पाए गए हैं। आप को बता दें कि जेल अधीक्षक अनिल कुमार गौतम, जेलर विक्रम सिंह और डिप्टी जेलर निर्भय सिंह पहले ही सस्पेंड कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि रवि काना कई गंभीर मामलों में वांछित है, जिनमें नोएडा के सेक्टर-63 थाने में दर्ज उगाही का केस भी शामिल है। वह वर्ष 2024 से अन्य मामलों में बांदा मंडल जेल में बंद था। उगाही प्रकरण में बी-वारंट के जरिए उसे कोर्ट में तलब किया गया था।

सनाए ताकाइची की ऐतिहासिक जीत को दुनिया ने सराहा, ढट मोदी-मेलोनी से ट्रंप तक

टोक्यो। जापान में हुए आम चुनाव में सनाए ताकाइची की अगुवाई में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने 465 में से 354 सीटें जीतकर दो-तिहाई से कहीं ज्यादा बहुमत हासिल किया। इस ऐतिहासिक जीत से सरकार की ताकत बढ़ी है और संवैधानिक बदलाव का रास्ता भी खुला है। ऐसे में भारत, अमेरिका, इटली और कनाडा समेत कई देशों के नेताओं ने इस जीत पर ताकाइची को बधाई दी। जापान की राजनीति में रविवार का दिन वहां के लिए ऐतिहासिक बन गया, जब प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के नेतृत्व में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की। 465 सीटों वाले निचले सदन में 354 सीटें जीतकर पार्टी ने न सिर्फ दो-तिहाई बहुमत पार किया, बल्कि सरकार को अभूतपूर्व ताकत भी दिला दी। इस जनादेश से ना केवल संवैधानिक संशोधन जैसे बड़े फैसलों का रास्ता खुल, बल्कि वैश्विक मंच पर भी इसकी गूंज सुनाई दी। ताकाइची को इस ऐतिहासिक जीत पर कई वैश्विक नेताओं ने बधाई दी। पीएम नरेंद्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी या फिर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी सभी ने ताकाइची को इस जीत की बधाई दी। आइए जानते है किसने क्या कहा? ताकाइची की जीत पर क्या बोलीं मेलोनी इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जापान के निचले सदन (हाउस

ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के चुनाव में जीत हासिल करने पर प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में मेलोनी ने लिखा कि उन्होंने कहा कि इटली और जापान के बीच गहरी दोस्ती और मजबूत रणनीतिक साझेदारी है, जो दोनों सरकारों के बीच भरोसे और सहयोग से लगातार और मजबूत होती जा रही है। मेलोनी ने जनवरी में अपनी जापान यात्रा को याद करते हुए कहा कि जापान में उन्हें जो गर्मजोशी भरा स्वागत मिला था, वह हमेशा उनके दिल में रहेगा और इस यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत किया। उन्होंने कहा कि इटली, जापान के साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना करने, विकास, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। कनाडा के पीएम ने दी शुभकामनाएं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ताकाइटी को मजबूत जनादेश के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे जापान और कनाडा के बीच मजबूत साझेदारी को और आगे बढ़ाने तथा दोनों देशों के लोगों के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए ताकाइची के साथ काम करने को उत्सुक हैं। जेलेंस्की बोले- दुनिया को मजबूत नेतृत्व की जरूरत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की जीत पर प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को बधाई दी है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस जीत को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है, ताकि हालात फिर से स्थिर हो सकें और फिर शांति का रास्ता खुले। जेलेंस्की ने यूक्रेन को जापान की ओर से मिल रहे समर्थन के लिए आभार जताया और कहा कि जापान यूक्रेन की आजादी और लोगों की सुरक्षा के लिए सिद्धांतों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि रूस के साथ चल रहे युद्ध के दौरान जापान की मदद से हजारों-हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी है। जेलेंस्की ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र को दोबारा मजबूत करने में जापान की भूमिका और कोएलिशन ऑफ द विलिंग में उसकी भागीदारी का भी जिक्र किया। साथ ही उम्मीद जताई कि दोनों देश मिलकर आगे भी अच्छे नतीजे हासिल करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने दी बधाई ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी प्रधानमंत्री ताकाइची को चुनावी जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच दोस्ती पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुई है। अल्बानीज ने दोनों देशों के रिश्तों को और गहरा करने तथा सहयोग बढ़ाने की इच्छा भी जताई। पीएम मोदी ने सनाए ताकाइची को जीत पर दी बधाई प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के प्रतिनिधि सभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर ताकाइची को बधाई दी है। सोशल मीडिया पर साझा संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि भारत-जापान की विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी दुनिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने भरोसा जताया कि सनाए ताकाइची के नेतृत्व में भारत-जापान मित्रता और अधिक मजबूत होगी और दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। ट्रंप ने भी दी चुनाव में सफलता की शुभकामनाएं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान में हुए संसदीय चुनाव को लेकर ट्वीट कर प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जापान के भविष्य के लिए बेहद अहम है। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची ने एक सक्षम, मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रदर्शन किया है और वे अपने देश के प्रति सच्चे रूप से समर्पित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 19 मार्च को वे व्हाइट हाउस में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। अब सनाए ताकाइची की जीत को समझिए गौरतलब है कि जापान में हुए आम चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने बड़ी और ऐतिहासिक जीत हासिल की है। इस जीत के साथ प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची को अपनी सरकार और नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत जनादेश मिला है।

ईवी सुरक्षा पर चीन का बड़ा फैसला हिडन डोर हैंडल पर लगाया प्रतिबंध अब हाथ से खुलने वाले दरवाजे जरूरी

बीजिंग। चीन ने इलेक्ट्रिक कारों में हिडन डोर हैंडल डिजाइन पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब वही कारें बिकेंगी जिनमें अंदर और बाहर मैकेनिकल तरीके से दरवाजा खोलने की व्यवस्था होगी। यह फैसला पावर फेल और हादसों के दौरान यात्रियों के फंसने की आशंका के बाद लिया गया। आइए विस्तार से सभी नियमों को जानते हैं। इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती बिक्री के साथ उनकी सुरक्षा को लेकर भी सवाल तेज हो गए हैं। इसी बीच चीन ने बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए इलेक्ट्रिक कारों में हिडन डोर हैंडल डिजाइन पर रोक लगा दी है। अब चीन में वही कारें बिक सकेंगी जिनके दरवाजे आपात स्थिति में हाथ से खोले जा सकें। इस फैसले को ईवी सुरक्षा मानकों में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। नए नियमों के तहत चीन हिडन या पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से खुलने वाले डोर हैंडल वाली कारों की बिक्री की अनुमति नहीं देगा। सरकार का मानना है कि पावर फेल होने या सिस्टम खराब होने की स्थिति में ऐसे हैंडल काम नहीं करते और यात्री कार के अंदर फंस सकते हैं। यह डिजाइन कई आधुनिक इलेक्ट्रिक कारों में इस्तेमाल हो रहा था और इसे प्रीमियम फीचर के रूप में प्रचारित किया जाता था। हादसों के बाद बढ़ी चिंता हिडन डोर हैंडल न्यू एनर्जी व्हीकल यानी इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और फ्यूल सेल वाहनों में तेजी से लोकप्रिय हुए थे। लेकिन हाल के कुछ गंभीर हादसों

के बाद इस डिजाइन पर सवाल उठे। कुछ मामलों में आशंका जताई गई कि बिजली फेल होने के बाद दरवाजे नहीं खुल पाए, जिससे यात्रियों को समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने डिजाइन की व्यावहारिकता और जोखिम पर समीक्षा शुरू की। वैश्विक ऑटो कंपनियों पर पड़ेगा असर यह नियम सीधे तौर पर चीन में बिकने वाली कारों पर लागू होगा, लेकिन इसका असर दुनिया भर की ऑटो कंपनियों पर पड़ सकता है। चीन दुनिया का बड़ा ऑटो बाजार है। कई कंपनियां वही डिजाइन वैश्विक बाजार में भी इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में निमार्ताओं को अपने डोर सिस्टम और सेफ्टी फीचर दोबारा डिजाइन करने पड़ सकते हैं। इससे ईवी डिजाइन में नया सुरक्षा मानक बन सकता है। इलेक्ट्रिक हैंडल पहले से जांच के दायरे में इलेक्ट्रिक पावर्ड डोर हैंडल पहले से ही कुछ देशों में जांच के दायरे में रहे हैं। शिकायतें मिली थीं कि अचानक सिस्टम फेल होने पर हैंडल काम नहीं करते और दरवाजा खोलना मुश्किल हो जाता है। सुरक्षा एजेंसियां इस तरह के मामलों की समीक्षा कर रही हैं। चीन का यह फैसला संकेत देता है कि अब ईवी सेक्टर में आकर्षक डिजाइन से ज्यादा प्राथमिकता सुरक्षा को दी जा रही है।

बॉन्डी बीच हमले के बाद यहूदियों से मिलने पहुंचे इस्त्राइली राष्ट्रपति

सिडनी। सोमवार सुबह इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सिडनी पहुंचे। चार दिन के दौरे में वह यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे और एकजुटता दिखाएंगे। हालांकि, फलस्तीन मुद्दे को लेकर विरोध और विवाद भी बना हुआ है। हर्जोग ऑस्ट्रेलियाई नेताओं और समुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस्त्राइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सोमवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर पहुंचे। उनका यह चार दिन का दौरा खास तौर पर पिछले साल दिसंबर में बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले यहूदी समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए है। हालांकि, फलस्तीनियों को लेकर इस्त्राइल की नीतियों के कारण इस यात्रा को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। मीडिया से बातचीत में हर्जोग ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के अलग-अलग हिस्सों में यहूदी समुदाय से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका मकसद हमले के बाद समुदाय के साथ एकजुटता दिखाना और उन्हें हौसला देना है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल और प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर आए राष्ट्रपति हर्जोग अपने दौरे के दौरान यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलेंगे और बड़े सामुदायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा, उनकी ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ

नेताओं से भी मुलाकात होने की संभावना है। इस्त्राइली राष्ट्रपति के दौरे से शुरू हुआ विवाद, क्यों? दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया में इस्त्राइली राष्ट्रपति के दौरे को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। इसका कारण है कि फलस्तीन मुद्दे को लेकर इस्त्राइल की नीतियों के विरोध में ऑस्ट्रेलिया में कई लोग और संगठन इस यात्रा का विरोध कर रहे हैं। एक हजार से ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई यहूदियों ने एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि राष्ट्रपति हर्जोग का यहां स्वागत नहीं किया जाना चाहिए। हर्जोग जिन-जिन शहरों में जाएंगे, वहां विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। कैनबरा और मेलबर्न समेत कई शहरों में प्रदर्शन की योजना है। विरोध प्रदर्शन की तैयारी, सुरक्षा के कड़े इंतेजाम सिडनी में सोमवार शाम शहर के बीचों-बीच रैली और मार्च निकाले जाने की तैयारी की जा रही है। हालात को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। न्यू साउथ वेल्स राज्य में हर्जोग की यात्रा के दौरान 3,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इनमें से करीब 500 पुलिसकर्मी खास तौर पर प्रस्तावित प्रदर्शनों की सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। सिडनी बॉन्ड बीच गोलीबारी कांड गौरतलब है कि 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार के जश्न के दौरान सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। इस हमले में 16 लोगों की मौत हो गई थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इसे आतंकी हमला बताया था, जो चरमपंथी संगठन इस्लामिक स्टेट की सोच से प्रेरित था।

रिहाई के कुछ घंटे बाद ही सहयोगी का अपहरण हुआ वेनेजुएला की विपक्षी नेता मचाडो का गंभीर आरोप

वेनेजुएला में पिछले एक महीने से राजनीतिक हलचल जारी है। इसी बीच विपक्षी नेता ने कहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का

सोमवार को सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंनेकहा कि जेल से रिहा होने के कुछ घंटों बाद ही उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक का अपहरण कर लिया गया। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने सोमवार को अपहरण कर लिया गया। सरकार ने रविवार को नजरबंद विपक्ष के कई प्रमुख सदस्यों को जेल से रिहा कर दिया था। वहीं, मचाडो ने सोशल मीडिया पर कहा कि जुआन पाब्लो गुआनिपा को राजधानी काराकास के एक आवासीय इलाके में आधी रात के आसपास अगवा कर लिया गया था। जबरदस्ती अपने साथ ले गए- मचाडो उन्होंने एक्स पर लिखा ह्लभारी हथियारों से लैस, सादे कपड़ों में चार वाहनों में आए और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले गए।ह्व ह्लहम उसकी तत्काल रिहाई की मांग करते हैं।ह्व विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है। इनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी। यह रिहाई संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रतिनिधियों की वेनेजुएला यात्रा के बाद हुई है। जेल के बाहर लगे नारे सोमवार की सुबह इस मामले पर टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोध पर सरकार के प्रेस कार्यालय ने तत्काल में कोई जवाब नहीं दिया। 3 जनवरी को अमेरिकी सेना द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद रोड्रिगेज ने वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उनकी सरकार ने कुछ दिनों बाद कैदियों को रिहा करना शुरू कर दिया। रविवार को कुछ लोग अपने प्रियजनों की रिहाई का इंतजार कर रहे। उन्होंने हम नहीं डरते! हम नहीं डरते! के नारे लगाए और थोड़ी दूर तक पैदल मार्च किया। पूर्व राज्यपाल गुआनिपा ने अपनी रिहाई के कुछ घंटों बाद पत्रकारों से कहा था, ₹मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश पूरी तरह बदल चुका है। मुझे पूरा यकीन है कि अब हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें।₹ गुआनिपा ने हिरासत में आठ महीने से अधिक समय बिताया था।

कनाडा से रिश्ते बेहतर करने की तैयारी एनएसए अजीत डोभाल ने कनाडा में उच्च स्तरीय बैठकें की

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कनाडा दौरे पर हैं, जहां उन्होंने कनाडा की एनएसए से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली और संबंध बेहतर करने के लिए कई कदमों पर सहमति बनी। दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में इस दौरे की काफी अहमियत है। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के शासनकाल में भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद खराब हो गए थे। अब मौजूदा पीएम मार्क कार्नी की सरकार में फिर से भारत और कनाडा के रिश्तों को बेहतर करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के तहत भारत के

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कनाडा का दौरा किया और वहां ओटावा में कनाडा के प्रधानमंत्री की उप सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं खुफिया सलाहकार नताली जी. ड्रौइन से मुलाकात की। दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने की तैयारी दोनों देशों के संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयासों की दिशा में यह बातचीत अहम मानी जा रही है। डोभाल ने कनाडा के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह बैठक दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा वार्ता का हिस्सा थी। दोनों पक्षों ने अपने राष्ट्रों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए चल रहीं पहल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन मामलों पर भविष्य के सहयोग के लिए एक साझा कार्य योजना पर भी सहमति जताई। इस कदम से अधिक व्यावहारिक संयुक्त प्रयासों की राह बनेगी। इस बातचीत में एक अहम निर्णय ये रहा कि दोनों देशों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संचार चैनलों को बेहतर बनाना और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी, विशेष रूप से फेंटानिल और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क की गतिविधियों सहित साझा खतरों पर जानकारी का आदान-प्रदान करना है। दोनों अधिकारियों ने साइबर सुरक्षा में सहयोग पर भी सहमति जताई, जिसमें नीतिगत समन्वय और साइबर खतरों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है। उन्होंने प्रत्येक देश के घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का सम्मान करते हुए, धोखाधड़ी की रोकथाम और आव्रजन प्रवर्तन से संबंधित संयुक्त कार्यों पर बातचीत को आगे बढ़ाने का फैसला किया। अजीत डोभाल के इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों में अतीत में आए तनाव के बावजूद व्यावहारिक सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने में दोनों देशों की आपसी रुचि भी स्पष्ट हुई।

क्या ताकतवर लोगों के लिए यौन तस्करी का रैकेट नहीं चला रहा था एपस्टीन एफबीआई के खुलासे ने सबको चौंका दिया

वॉशिंगटन। एफबीआई की आंतरिक जांच फाइलों से खुलासा हुआ है कि जेफ्री एपस्टीन ने नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया, लेकिन शक्तिशाली लोगों के लिए संगठित यौन तस्करी रैकेट चलाने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। बैंक रिकॉर्ड, फोटो, वीडियो और गवाहियों की लंबी जांच के बाद एजेंसी ने बड़े नेटवर्क के दावों की पुष्टि नहीं की। ऐसे में आइए जानते हैं कि रिपोर्ट में एफबीआई ने क्या-क्या खुलासे किए हैं। साथ ही मामले को शुरूआती जांच से अबतक मामले में एफबीआई ने क्या किया है, इसे भी समझने की कोशिश करेंगे। एफबीआई ने जेफ्री एपस्टीन के बैंक रिकॉर्ड, ईमेल, संपत्तियों और संपर्कों की लंबे समय तक जांच की। एजेंसी ने पीड़ितों से पूछताछ की और प्रभावशाली लोगों से जुड़े लिंक भी खंगाले। जांच में यह साफ साबित हुआ कि एपस्टीन ने नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण किया। लेकिन यह साबित करने लायक ठोस सबूत नहीं मिले कि वह ताकतवर लोगों के लिए संगठित यौन तस्करी का रैकेट चला रहा था। न्याय विभाग के आंतरिक रिकॉर्ड की समीक्षा में भी यही निष्कर्ष दर्ज मिला कि बड़े नेटवर्क वाली साजिश का दावा जांच में टिक नहीं पाया। जांच एजेंसियों ने न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और वर्जिन आइलैंड्स स्थित ठिकानों से फोटो और वीडियो जब्त किए। अभियोजकों के मेमो के अनुसार इन सामग्रियों में पीड़ितों के साथ यौन शोषण करते अन्य प्रभावशाली लोगों का कोई स्पष्ट दृश्य नहीं मिला। डिजिटल रिकॉर्ड में आपत्तिजनक सामग्री जरूर थी, लेकिन सह-अपराधियों का प्रमाण नहीं मिला। बैंक रिकॉर्ड और भुगतान लेनदेन भी खंगाले गए। कई संस्थाओं और प्रभावशाली नामों से जुड़े भुगतान दिखे, लेकिन उन्हें सीधे आपराधिक गतिविधि से जोड़ने वाला सबूत नहीं मिला। इसलिए वित्तीय कड़ी भी कानूनी आरोप तय करने लायक नहीं बनी। पीड़िता के दावे की पुष्टि नहीं एक पीड़िता ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि एपस्टीन उसे अपने अमीर दोस्तों के पास भेजता था। लेकिन एफबीआई एजेंट इस दावे की पुष्टि नहीं कर सके। जांच रिकॉर्ड के अनुसार अन्य पीड़ितों ने ऐसी समान कहानी नहीं बताई। एजेंटों ने लिखा कि कुछ पीड़ितों ने अन्य लोगों द्वारा शोषण का आरोप लगाया, लेकिन संघीय केस चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। इसलिए ऐसे मामलों को स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भेजा गया। यानी आरोप सामने आए, पर कानूनी स्तर पर टिकने वाला प्रमाण सीमित रहा। सभी दस्तावेजों की समीक्षा जारी न्याय विभाग ने पारदर्शिता कानून के तहत लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए। इनमें पुलिस रिपोर्ट, एफबीआई इंटरव्यू नोट्स और अभियोजकों के ईमेल शामिल हैं। मीडिया संस्थान अभी भी इन रिकॉर्ड की समीक्षा कर रहे हैं। संभव है कि कुछ नई बातें आगे आएं। लेकिन उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिकी अधिकारियों ने फैसला किया कि अतिरिक्त बड़े आरोप जोड़ने लायक सबूत नहीं हैं। यही वजह रही कि मुख्य केस को आगे नहीं बढ़ाया गया। दस्तावेज अब तक की जांच की सबसे स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। जांच की शुरूआत कैसे हुई? एपस्टीन जांच 2005 में शुरू हुई जब 14 साल की लड़की के परिवार ने शिकायत दी। आरोप था कि उसके घर पर यौन शोषण हुआ। पुलिस जांच में कम से कम 35 लड़कियां सामने आईं। आरोप था कि एपस्टीन हाईस्कूल उम्र की लड़कियों को पैसे देकर यौन मसाज के लिए बुलाता था। बाद में एफबीआई जांच में शामिल हुई। संघीय अभियोजकों ने एपस्टीन और उसके सहायकों पर आरोप तय करने का मसौदा भी तैयार किया। मामला गंभीर था और कई पीड़ितों के बयान दर्ज हुए। प्ली डील और पहली सजा का मामला संघीय आरोप तय होने की तैयारी के बावजूद तत्कालीन मियामी के अमेरिकी अटॉर्नी अलेक्जेंडर एकोस्टा ने एपस्टीन के साथ प्ली डील कर ली। इसके तहत एपस्टीन ने राज्य स्तर पर नाबालिग से वेश्यावृत्ति मांगने का दोष स्वीकार किया। उसे 18 महीने की सजा मिली और वह 2009 तक जेल से बाहर आ गया। इस समझौते की बाद में कड़ी आलोचना हुई। 2018 में मीडिया रिपोर्ट्स ने इस डील पर सवाल उठाए, जिसके बाद न्यूयॉर्क के संघीय अभियोजकों ने केस को दोबारा खोला और नई जांच शुरू की। गिरफ्तारी, मौत और मैक्सवेल पर कार्रवाई नई जांच के बाद एपस्टीन को जुलाई 2019 में गिरफ्तार किया गया।

लेबनान में इस्त्राइली सेना की बड़ी कार्रवाई हमास के सहयोगी संगठन के शीर्ष नेता को किया गिरफ्तार

बेरूत। इस्त्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान से हमास के सहयोगी और सुन्नी नेता को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक इस्त्राइली ड्रोन हमले में बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई इस्त्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव का हिस्सा है, जिसमें अब तक हजारों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस्त्राइली सेना ने सोमवार सुबह दक्षिणी लेबनान में एक विशेष ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने सुन्नी इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' के स्थानीय अधिकारी और फिलिस्तीनी हमास समूह के एक सहयोगी को पकड़ लिया। इस्त्राइली सैनिक उसे सीमा के पास हेब्बारियेह गांव से पकड़कर पूछताछ के लिए इस्त्राइल ले गए। सेना ने बताया, यह कार्रवाई खुफिया जानकारी की मदद से की है। इस्लामी समूह 'अल-जमा अल-इस्लामिया' ने इस गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इसे लेबनान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया और लेबनानी सरकार से उसकी रिहाई की मांग करने का आग्रह किया। यह संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड की लेबनानी शाखा है। इसकी सशस्त्र इकाई 'फजर फोर्सेज' के नाम से जानी जाती है। अक्टूबर 2023 में इस्त्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से फजर फोर्सेज ने हिजबुल्लाह के साथ मिलकर इस्त्राइल पर रॉकेट दागे थे। जिसके बारे में उसने कहा कि यह गाजा में हमास के समर्थन में था। मुस्लिम ब्रदरहुड को मध्य पूर्व के कई देशों में आतंकी समूह माना जाता है।

सेना की तैनाती कर हमें डरा नहीं सकते पश्चिम एशिया में अमेरिकी युद्धपोत की तैनाती पर ईरान की दो टूक

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक बयान में कहा कि सेना की तैनाती ईरान को डरा नहीं सकती। साथ ही उन्होंने अमेरिका की बातचीत की मंशा पर भी सवाल उठाए और कहा कि उन्हें अमेरिका पर बेहद कम भरोसा है। ईरान ने अमेरिका के साथ रविवार को शुरू हुई परमाणु बातचीत के बीच अपना रुख फिर दोहराया और कहा कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन करना नहीं छोड़ेगा। साथ ही ईरान ने अमेरिका की सैन्य ताकत के सामने झुकने से भी इनकार कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सैन्य तैनाती हमें डराती नहीं हैं। अराघची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका ने अपने सबसे ताकतवर युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को पश्चिम एशिया में तैनात किया है। अराघची ने कहा कि ईरान को अमेरिका पर बहुत कम भरोसा है। अमेरिका की बातचीत की मंशा पर भी उन्होंने सवाल उठाया। अमेरिका की मंशा पर ईरान के विदेश मंत्री ने उठाए सवाल अराघची ने कहा कि उन्हें इस बात पर भी संदेह है कि अमेरिका बातचीत को गंभीरता से ले रहा है या नहीं। उन्होंने बताया कि ईरान इन वाताओं को लेकर अपने रणनीतिक साझेदार चीन और रूस से भी परामर्श कर रहा है। पश्चिमी देशों और इस्त्राइल का आरोप है कि ईरान परमाणु बम बनाने की कोशिश कर रहा है, जिसे ईरान ने खारिज किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।